आश्विन कृष्ण पक्ष दशमी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 74 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

16 सितंबर 2025 मंगलवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम

29 अधिकतम

23 न्यूनतम

न्यूज विंडो

ऐप बी एंड बेट मामला युवराज-उथप्पा की मुश्किलें बढ़ीं

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑनलाइन बेटिंग ऐप मामले में पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह और रॉबिन उथप्पा को भी तलब किया गया है। प्रवर्तन निदेशालय यानी श्वष्ठ ने दोनों को नोटिस भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया है। सूत्रों के मुताबिक ईडी ने 22 सितंबर को उथप्पा को पूछताछ के लिए बुलाया है, जबकि 23 सितंबर को युवराज सिंह को तलब किया है।

मोदी की कार्यशैली से प्रभावित: सुशीला कार्की

नई दिल्ली/काठमांडू। नेपाल में सियासी उथल-पुथल के बीच अंतरिम प्रमुख चुनी गईं सुशीला कार्की ने कहा कि वह इस जिम्मेदारी के लिए तैयार हैं। उनके मुताबिक जेन-जी समूह ने जिस तरह से आंदोलन किया और जिस विश्वास के साथ उन्हें चुना, यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने साफ कहा कि सबसे पहले उन परिवारों को सम्मान और सहयोग देना होगा जिनके बेटे-बेटियां इन प्रदर्शनों में शहीद हुए। कार्की ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी नाम लिया और कहा कि वे उनकी कार्यशैली से प्रभावित हैं। उन्होंने कहा, 'मोदी जी को नमस्कार, मेरे जेहन में मोदी जी के लिए अच्छा इंप्रेशन है।'

सहस्त्रधारा में बादल फटा, तबाही का मंजर

बादल फटने के बाद हुई तेज बारिश से डूबा टपकेश्वर मंदिर।

टपकेश्वर मंदिर डूबा कई लापता, स्कूल बंद

देहरादून, एजेंसी

उत्तराखंड के देहरादून में सहस्त्रधारा के नजदीक आज सुबह बादल फटने से बड़ी तबाही हुई है। तमसा, कारलीगाड़ और सहस्त्रधारा नदी में जलस्तर बढ़ गया। सहस्त्रधारा समेत आसपास के इलाके तपोवन, आईटी पार्क, घंगौरा, घड़ीकैंट इलाकों में कई सड़कें बह गईं। तमसा नदी के किनारे बना टपकेश्वर महादेव मंदिर में आधे से ज्यादा डूब गया है। वहां मौजूद दुकानें बह गईं। कई लोगों के लापता होने की खबर है। सहस्त्रधारा में 5 लोगों को बचाया गया। स्थानीय लोग और प्रशासन की टीमें राहत और बचाव कार्य में जुटी हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार सुबह 5 बजे नदी में बाढ़ आई, पूरा टपकेश्वर मंदिर डूब गया, कई मूर्तियां बह गईं। हालांकि, गर्भगृह सुरक्षित है। पानी उतरने पर मंदिर में 2 फीट मलबा दिखा। सहस्त्रधारा में भारी बारिश और बाढ़ से हुई तबाही के बाद लोग पलायन कर रहे हैं। एक स्थानीय निवासी ने बताया, जब यह घटना हुई तब मैं रात की ड्यूटी पर था। उसके बाद बच्चों ने रात मंदिर में गुजारी। फिलहाल मैं अपने परिवार को सुरक्षित स्थान पर ले जा रहा हूं। सड़कों को बहुत नुकसान हुआ है। एनडीआरएफ के असिस्टेंट कमांडेंट ने बताया- बादलों के अचानक फटने से स्थिति बहुत खराब है। घरों और संपत्तियों को भारी नुकसान हुआ है। तीन लोग मलबे में फंसे हुए हैं। फिलहाल सर्च ऑपरेशन रोकना पड़ा है क्योंकि मलबा और पानी पहाड़ियों से लगातार नीचे आ रहा है।

मंडी में लैंडस्लाइड से 3 की लोगों की मौत

मलबे ने रोका रेस्क्यू टीम का रास्ता

आपदा कंट्रोल रूम से रात 2 बजे जानकारी मिलने के बाद एसडीआरएफ और फायर की टीम रवाना हुई, लेकिन रास्ते पर अधिक मलबा आ जाने के कारण टीम मौके पर नहीं पहुंच पाई। बारिश से आईटी पार्क में भी भारी मात्रा में मलबा आ गया है। घटना में एक मजदूर की मौत हो गई है और एक गंभीर रूप से घायल हो गया है। अन्य लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया है।

शिमला शहर के बीच में भूस्खलन

शिमला में शहर के मध्य में हिमलैंड के निकट भूस्खलन के कारण कई वाहन मलबे में दब गए तथा मुख्य सर्कुलर रोड अवरुद्ध हो गया, जिससे स्कूल जाने वाले बच्चों को परेशानी का सामना करना पड़ा। हिमलैंड के पास वाहन में सो रहे गौतम और राहुल शुक्ला ने बताया, रात करीब एक बजे भारी बारिश हो रही थी, तभी हमने मलबे के गिरने की तेज आवाज सुनी और तुरंत वाहनों को वहां से हटाया। वहीं देश के राजस्थान, पंजाब समेत अन्य राज्यों में बारिश की चेतावनी दी है।

मुख्य बाजार में तीन बड़े होटल क्षतिग्रस्त हो गए। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस हादसे में करीब 100 लोग फंस गए थे, जिन्हें गांव वालों ने सकुशल रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया है। मौसम विभाग ने 24 घंटे और बारिश की संभावना जताई है। वहीं खराब मौसम को देखते हुए नैनीताल जिले में सभी स्कूलों की छुट्टी घोषित कर दी गई है।

एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत, 50 वाहन बह गए

मंडी। हिमाचल प्रदेश में मानसून की शुरुआत से भारी बारिश का कहर मचा हुआ है। मंडी जिले के धर्मपुर क्षेत्र में देर रात हुई मूसलाधार बारिश से सोन खड्ड उफान पर आ गई। मंडी में भूस्खलन में एक ही परिवार के 5 लोग दब गए। इसमें से 2 को निकाल लिया और 3 की मौत हो गई है। पुराने धर्मपुर को नए धर्मपुर से जोड़ने के लिए बनाया गया लक्ष्मण झूला भी उफान में बह गया है। बस स्टैंड के पास स्थित सभी दुकानें पूरी तरह जलमग्न और कई बसें और एक ट्रैवलर गाड़ी पानी में डूब गईं। ट्रैवलर गाड़ी में एक चालक सोया हुआ था, जिसका सुराग नहीं मिल पाया है। करीब 50 से अधिक गाड़ियां बह गई हैं। भारी बारिश के कारण कई इलाकों में बिजली के ट्रांसफार्मर और पोल टूट गए हैं, जिससे पावर सप्लाई पूरी तरह ठप हो गई है। मोबाइल नेटवर्क भी बंद हो चुका है। इस तबाही में करोड़ों का नुकसान होने की खबर है। मंडी में लगातार बारिश से हालात और बिगड़ रहे हैं, जिससे राहत-बचाव कार्य में बड़ी मुश्किलें आ रही हैं।

देवभूमि इंस्टीटयूट से छात्रों को रेस्क्यू किया।

आयोग ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए तैयारियां तेज कीं

बंगाल में एसआईआर की तैयारी 2002 की वोटर लिस्ट से तुलना

कोलकाता, एजेंसी

बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) अभी अंतिम दौर में है और चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में आज से राज्य भर में पोल अधिकारियों की ट्रेनिंग शुरू होने जा रही है। यह ट्रेनिंग स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) यानी वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम का हिस्सा है। इस बीच खबर ये भी है कि दिल्ली में भी एसआईआर की तैयारियां तेज हो गई हैं। साफ है कि चुनाव आयोग रुकने वाला नहीं है। वह पूरे देश में वोटर लिस्ट को सुधारने जा रहा है।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज अग्रवाल इस ट्रेनिंग सत्र का नेतृत्व करेंगे। इसका मकसद है कि ट्रेनर पूरी तरह तैयार हों और बूथ स्तर अधिकारियों को मतदाता सूची संशोधन की बारीकियां आसानी से समझा सकें। आने वाले दिनों में असिस्टेंट डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट और इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर को भी

ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके बाद वही अधिकारी बीएलओ को प्रशिक्षित करेंगे, जो सीधे घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क करेंगे और जरूरी फॉर्म भरने में मदद करेंगे. अधिकारियों के अनुसार, बीएलओ मतदाताओं के पते और दस्तावेज की जांच करेंगे ताकि वोटर लिस्ट में किसी तरह की गड़बड़ी न रह जाए। यह पूरा काम एसआईआर की तैयारी का अहम हिस्सा है। इस बीच, उप चुनाव आयुक्त ग्यानेश भारती इस हफ्ते कोलकाता का दौरा करेंगे और ट्रेनिंग व रिवीजन एक्सरसाइज का जायजा लेंगे। बैठक में जिले स्तर पर वोटर मैपिंग शुरू करने के निर्देश दिए गए।

स्वदेशी अभियान, कुटीर उद्योगों को बाजार दिलाने की कोशिश : सीएम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि उनकी सरकार स्वदेशी अभियान के तहत छोटे कुटीर उद्योग चलाने वाले समूहों के लिए बाजार उपलब्ध कराने के पूरे प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में आज राजधानी के भोपाल हाट में स्वदेशी मेले का आयोजन किया गया। इसमें 1400 परिवारों के 354 समूहों ने रजिस्ट्रेशन कराया है, जो कि स्टॉल लगाकर सामन बेच सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ऐसे उद्यमियों के लिए जिलों में भी सुविधाएं देगी।

इस अवसर पर धार जिले में कल प्रधानमंत्री की मौजूदगी में होने जा रहे कार्यक्रम का जिक्र करते हुए डॉ यादव ने कहा कि पीएम मित्रा पार्क स्थानीय किसानों के लिए वरदान साबित होगा। वे अपनी उपज वहीं स्थापित होने वाले कारखानों को बेच सकेंगे। समय ने करवट बदली है और अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच के तहत अब किसानो को सीधे कारखानों को जोड़ने का अभियान चल रहा है। कार्यक्रम में उपस्थित पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद पटेल सुझाव दिया कि प्रदेश के जिन जिलों में भी महिलाओं के समूह अच्छा काम कर रहे हैं , उनकी पहचान कर उनके उत्पादों को बड़े शहरों तक लाया जाना चाहिए। इसके लिए सरकार भोपाल हाट की तरह स्थान उपलब्ध करा सकती है। स्वदेशी मेला के आयोजक विधायक रामेश्वर शर्मा ने बताया कि स्व सहायता समूहों कि लिए अधिक से अधिक लोगों को 21 सितम्बर तक चलने वाले हाट में लाने की कोशिश की जाएगी।

बर्फ पिघलने की उम्मीद

भारत-अमेरिका के बीच व्यापार को लेकर बातचीत शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और अमेरिका के रिश्तों में हाल के दिनों में जो तल्खी देखने को मिल रही थी, अब उसमें नरमी के संकेत दिखाई देने लगे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रतिनिधि व्यापार अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल नई दिल्ली में आज वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा कर रहा है। यह ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए भारी शुल्क के बाद पहली आमने-सामने की बातचीत है। भारत सरकार वाणिज्य विभाग के विशेष सचिव राजेश अग्रवाल ने जानकारी दी कि यह बैठक बीटीए पर औपचारिक वार्ता नहीं है, लेकिन दोनों देशों के बीच व्यापारिक मुद्दों पर ठोस चर्चा हो रही है। अमेरिकी दल की अगुवाई ब्रेंडन लिंच कर रहे हैं, जो पहले भारत के लिए अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि रह चुके हैं। राजेश अग्रवाल का कहना है कि यह बातचीत औपचारिक वार्ता का हिस्सा नहीं है, लेकिन इसे बातचीत की 'निरंतरता' माना जा सकता है। इसका मकसद दोनों देशों के बीच व्यापार को लेकर बनी गलतफहमियों को दूर करना और आगे के रास्ते तय करना है।

देश के पहले पीएम मित्रा पार्क का प्रधानमंत्री कल करेंगे शिलान्यास

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कल 17 सितंबर को अपने जन्मदिन के अवसर पर देश के पहले पीएम मित्रा पार्क की आधारशिला रखेंगे। प्रदेश के धार जिले के ग्राम भैंसोला में 2158 एकड़ क्षेत्र में स्थापित होने वाले देश के पहले पीएम मित्रा पार्क में अग्रणी 114 टेक्सटाइल कम्पनियों से 23 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। इन प्रस्तावों में से 91 कम्पनियों और इकाइयों के आवेदन स्वीकृत किए गए हैं।

मेट्रो एंकर

जन्म और मृत्यु रिपोर्ट 2024 के आंकड़े जारी

सेक्स रेश्यो : दिल्ली में कम हो रही लड़कियों की संख्या, 1000 लड़कों पर सिर्फ 920

नईदिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में सेक्स रेशियो में कमी की चिंताजनक खबर आई है। राजधानी की सालाना जन्म और मृत्यु रिपोर्ट 2024 के आंकड़े जारी किए गए हैं जिसके अनुसार जन्म दर और सेक्स रेशियो में गिरावट दर्ज की गई है, वहीं शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) और मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) में मामूली सुधार हुआ है। मृत्यु दर में हालांकि पिछले वर्ष की तुलना में हल्की बढ़ोतरी देखी गई। 2024 में हर 1000 लड़कों पर 920 लड़कियां पैदा हुईं जबकि 2023 में यह अनुपात 922 था। दिल्ली में 2024 में जन्म लेने वालों में लड़कियों की संख्या में कमी और लड़कों की संख्या ज्यादा पाई गई। राजधानी में रोजाना औसतन जन्म लेने वाले बच्चों की संख्या भी घटकर 837 हो गई, जबकि 2023 में यह संख्या 863 थी।

स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी चुनौती

जन्म दर घटने से यह साफ है कि दिल्ली में जनसंख्या वृद्धि की रफ्तार धीमी हो रही है। मृत्यु दर में हल्की बढ़ोतरी चिंताजनक है और यह स्वास्थ्य सेवाओं और जीवनशैली से जुड़ी चुनौतियों की ओर इशारा करती है। शिशु और मातृ मृत्यु दर में कमी एक सकारात्मक संकेत है, जो बताता है कि प्रसव और नवजात देखभाल से जुड़ी स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हुआ है। लेकिन, सेक्स रेशियो में कमी अब भी एक गंभीर सामाजिक चिंता है। यह दर्शाता है कि दिल्ली में लड़कियों के जन्म के मुकाबले लड़कों का जन्म ज्यादा हो रहा है, जो लिंग संतुलन पर नकारात्मक असर डाल सकता है।

इसलिए आ रही गिरावट

दिल्ली में तमाम जागरूकता कैंपेन के बावजूद सेक्स रेश्यो में लगातार गिरावट आ रही है। खासकर पिछले 5 सालो में महिलाओं का सेक्स रेश्यो प्रति 1000 पुरुषों पर 933 से घटकर 920 पर आ गया है। हालांकि, अभी इसका कोई स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है, लेकिन बड़ा सवाल यही है कि जब सेक्स रेश्यो में 2012 से ही सुधार का ट्रेंड दिखाई दे रहा था, तो फिर पिछले कुछ सालो में अचानक इतनी गिरावट क्यों आई और अगर सरकार के किसी प्रयास या नीति की वजह से पहले सुधार आ रहा था, तो फिर क्या कमी रह गई । डॉक्टर इसके पीछे एक वजह यह भी मान रहे हैं कि कोरोना के समय संक्रमण के डर से लोग अल्ट्रासाउंड, लिंग परीक्षण से जुड़ी जांच कराने से बच रहे थे लेकिन बाद में पुनः इस और रुख कर लिया।

बढ़ता जा रहा मौत का भी ग्राफ

दिल्ली में मौत का ग्राफ बढ़ता जा रहा है। यह हम नहीं बल्कि दिल्ली सरकार की एनुअल रिपोर्ट कह रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में कुल 139480 मौतें हुई, जबकि 2023 में 132391 मौत दर्ज की गई थी। यानी इस साल के हर दिन औसतन 381 मौत हो रही है। लिहाजा, इस रिपोर्ट से साफ नजर आ रहा है कि मौत का आंकड़ा बढ़ रहा है। इसमें सबसे रिपोर्ट के अनुसार, कुल दर्ज मौतों में 61.22 फीसदी (85,391) पुरुष व 38.75 फीसदी (54,051) महिलाएं थीं।

आज का कार्टून

सड़कों पर आवारा मवेशियों का डेरा

भोपाल। राजधानी भोपाल की सड़कों पर इन दिनों आवारा मवेशियों का हर जगह डेरा जमा हुआ है। मुख्य मार्गों से लेकर कॉलोनियों की गलियों तक गाय-बैल और अन्य पशु झुंड बनाकर घूमते नजर आते हैं। इससे जहां यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है, वहीं दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है। शहरवासियों का कहना है कि नगर निगम की लापरवाही के चलते यह समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। न तो समय पर मवेशियों को पकड़ने की कार्रवाई हो रही है और न ही इनके लिए कोई ठोस प्रबंधन किया गया है। खासकर रात के समय सड़कों पर बैठे मवेशी राहगीरों और वाहन चालकों के लिए जानलेवा साबित हो रहे हैं। कई जगहों पर आवारा पशुओं के कारण ट्रैफिक जाम की स्थिति बन जाती है। वहीं, दूध देने वाली गायों को छोड़कर मालिक भी जिम्मेदारी से बचते दिखाई देते हैं। इससे सड़क हादसों की संभावना और ज्यादा बढ़ जाती है। रहवासियों ने प्रशासन और नगर निगम से तत्काल प्रभावी कार्रवाई की मांग की है। नागरिकों का कहना है कि अगर जल्द ही आवारा मवेशियों की समस्या पर नियंत्रण नहीं पाया गया, तो वे सामूहिक आंदोलन करेंगे। स्पष्ट है कि भोपाल नगर निगम की लापरवाही ने आम जनता को खतरे में डाल दिया है। अब देखना यह होगा कि जिम्मेदार अधिकारी कब नींद से जागते हैं और इस गंभीर समस्या का स्थायी समाधान निकालते हैं।

इमामी गेट से बैंक चौराहे तक जाम हुआ आम

ट्रैफिक और इंफ्रास्ट्रक्चर सालों से नहीं सुधरा, नतीजा लगता है जाम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के इमामी गेट, मोती मस्जिद, इकबाल मैदान, सदर मंजिल, हमीदिया अस्पताल, ताजुल मस्जिद और बैंक चौराहा वाले इलाके में ट्रैफिक जाम की स्थिति आम बन चुकी है। यह क्षेत्र नए और पुराने शहर को जोड़ने का अहम केंद्र है, जहां हर घंटे 12-13 हजार वाहन गुजरते हैं। पीक आवर में यहां भयंकर जाम लगता है क्योंकि ट्रैफिक पुलिस पर्याप्त प्रबंधन नहीं कर रही है, साथ ही पुलिस के द्वारा इस क्षेत्र के लिए बताए गए इंजीनियरिंग नजरिए से उचित इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास नगर निगम एक साल से नहीं करा रहा है। ठेले वालों, दुकानदारों, अवैध पार्किंग और गलत दिशा में चलने वाले वाहनों ने समस्या को और बढ़ा दिया है।

व्यवस्था का उल्लंघन

इकबाल मैदान से सदर मंजिल होते हुए हमीदिया अस्पताल के पिछले गेट से लेकर स्टेट बैंक चौराहा तक वन-वे है, लेकिन रॉयल मार्केट से आने वाले वाहन चालक गलत दिशा में आकर दुर्घटनाओं और जाम का कारण बन रहे हैं। ट्रैफिक पुलिस ने इस समस्या से मुक्ति पाने के लिए डिवाइडर को आगे बढ़ाने का सुझाव 10 माह पहले नगर निगम को दिया था।

मैन पावर तैनात किया

इस क्षेत्र में ट्रैफिक की समस्या है। क्योंकि रोड की चौड़ाई कम है और वाहनों की आवाजाही अधिक है। हमने यहां पर मैन पावर तैनात किया है, ताकि नियमों के अनुसार ट्रैफिक व्यवस्था बनी रहे। जानकारी के अनुसार इस इलाके में ट्रैफिक के मुताबिक इंफ्रास्ट्रक्चर में इंजीनियरिंग सुधार की जरूरत है। वहीं डिवाइडर बढ़ाने, सिग्नल सिस्टम में सुधार और अवैध पार्किंग रोकने के लिए सख्त कार्रवाई की जरूरत है। वहीं जिम्मेदारों का कहना है कि इस क्षेत्र के ट्रैफिक को आसान करने के लिए निगम लगातार निर्माण संबंधी सुधार कर रहे हैं। सड़क सुरक्षा समिति के माध्यम से जो भी सुझाव आते हैं, उन पर लगातार काम हो रहा है।

ये सुधार जरूरी

ट्रैफिक पुलिस की मौजूदगी बढ़ाएं। निगम और ट्रैफिक पुलिस का समन्वय। ठेले और दुकानदारों के अतिक्रमण को हटाया जाए। ऑटो रिक्शा और अवैध पार्किंग पर लगे रोक। इमामी गेट के पास लगा जाम।

मोती मस्जिद तिराहे का खतरनाक जाम

मोती मस्जिद तिराहे से लेकर सदर मंजिल, हमीदिया अस्पताल और बैंक चौराहा तक वन-वे व्यवस्था लागू की गई, लेकिन लोग डेढ़ किलोमीटर का चक्कर बचाने के लिए गलत दिशा में वाहन चला रहे हैं। इससे वाइन शॉप से लेकर कर्फ्यू वाली माता मंदिर और मोती मस्जिद तक दिनभर जाम लगा रहता है।

रील देखते हुए जा रही महिला के हाथ से बाइक सवार ने मोबाइल झपटा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अयोध्या नगर थाना क्षेत्र में फास्ट फूड की दुकान लगाने वाली महिला के हाथ से अज्ञात बाइकसवार बदमाश मोबाइल झपटकर फरार हो गया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक थाने के पीछे अयोध्या नगर निवासी सीमा विश्वकर्मा पत्नी बालकिशन विश्वकर्मा (36) मेन रोड पर फास्ट फूड की दुकान लगाती है। विगत 9 सितंबर की रात करीब दस बजे वह सब्जी खरीदने मार्केट गई थी। इस बीच सुनसान इलाके में मेन रोड पर आते ही पीछे से आए एक बाइकसवार बदमाश ने महिला के हाथ से मोबाइल झपट लिया और फरार हो गया। पुलिस ने बताया कि घटना के समय महिला मोबाइल पर रील देखते हुए जा रही थी। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर झपटमार की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि घटना के बाद महिला अपने गांव चली गई थीं। लौटने के बाद थाने जाकर प्रकरण दर्ज कराया है।

हैवी रेन का अलर्ट नहीं, अगले तीन दिन हल्की बारिश

भोपाल। साइक्लोनिक सर्कुलेशन की वजह से मध्यप्रदेश के कई जिलों में बारिश जारी है। यह सिस्टम मंगलवार को दूर हो जाएगा। ऐसे में मौसम विभाग ने प्रदेश में कहीं भी भारी बारिश होने की चेतावनी जारी नहीं की है। अगले 3 दिन हल्की बारिश का दौर बना रहेगा। भोपाल में सुबह से बादल हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, यदि लोकल सिस्टम की एक्टिविटी रही तो कुछ जिलों में तेज पानी गिर सकता है। इससे पहले सोमवार को भोपाल में दिनभर धूप खिलने के बाद शाम साढ़े 5 बजे बादल बरस पड़े। कई इलाकों में आधा घंटा तक तेज बारिश हुई।

आरएसएस के सह सरकार्यवाह मनमोहन वैद्य ने दिया राष्ट्र निर्माण का संदेश

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में हुआ आयोजन

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. मनमोहन वैद्य ने छात्राओं को संबोधित किया। यह कार्यक्रम जीव सेवा संस्थान और नेस्ट भारत के सहयोग से आयोजित किया गया था। अपने संबोधन में डॉ. वैद्य ने छात्राओं को सेवा, संस्कार और समर्पण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। डॉ. वैद्य ने 1983 से संघ के साथ अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि सच्चा बदलाव तभी आता है जब हम अपनी व्यक्तिगत प्रगति के साथ-साथ समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए भी समर्पित होते हैं। उन्होंने नेस्ट भारत को युवाओं के लिए एक ऐसा मंच बताया, जो उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने और मानवता, भारतीय ज्ञान और देश के भविष्य को बेहतर बनाने की दिशा में काम करने के लिए प्रेरित करता है। इस अवसर पर जीव सेवा संस्थान के सचिव महेश दयारामानी और शहीद हेमू कालानी एजुकेशनल सोसायटी के उपाध्यक्ष हीरो ज्ञानचंदानी ने डॉ. वैद्य के संबोधन और नेस्ट भारत के स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उनका संस्थान भविष्य में भी शिक्षा को सेवा और संस्कारों से जोड़ने वाले ऐसे प्रयासों का समर्थन करता रहेगा। यह आयोजन संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज और नेस्ट भारत के बीच पहले सहयोग का प्रतीक था, जो आने वाले समय में और भी सार्थक कार्यक्रमों का मार्ग प्रशस्त करेगा। कॉलेज ने भविष्य में भी राष्ट्रीय शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन भारत के साथ मिलकर समाजोपयोगी और सशक्त युवतियों को तैयार करने की प्रतिबद्धता जताई है।

किन्नर विवाद, फाटक रोड की समस्या, मार्ग का नामकरण व चल समारोह पर चर्चा

पूज्य सिंधी पंचायत के फैसला बोर्ड की बैठक हुई

हिरदाराम नगर। पूज्य सिंधी पंचायत संत हिरदाराम नगर के फैसला बोर्ड की बैठक पंचायत अध्यक्ष माधु चांदवानी की अध्यक्षता में पंचायत के सभागृह में सम्पन्न हुई। जिसमें किन्नर विवाद, फाटक रोड की समस्या, मार्ग का नामकरण व दुर्गा उत्सव चल समारोह पर चर्चा की गयी। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि किन्नरों के दो ग्रुपों में विगत कुछ समय से विवाद चल रहा है। जिसके कारण संत नगरवासीयों से किन्नरों के दोनो ग्रुप खुशी के मौके पर व त्यौहारो पर अलग अलग नेक लेने आ रहे है। जिसके कारण संत नगरवासी परेशान है। इस पर चर्चा करते हुए यह निर्णय लिया गया कि दोनो ग्रुपों को फिर से बुलाया जाए व चर्चा की जाए। अगर निर्णय नहीं होता है तो यह काम जिला प्रशासन को सौंपा जाएगा। फाटक रोड पर ओवरब्रिज बनने के कारण फाटक रोड के दुकानो को तोडा गया है जिसके कारण वहां के व्यापारीगण परेशान है व उनका व्यापार अस्त व्यस्त हो गया है। खाने के लाले पड गये है। इस संबंध में क्षेत्रीय विधायक रामेश्वर शर्मा से पंचायत का प्रतिनिधिमण्डल मिलेगा व फाटक रोड की समस्याओ से अवगत कराकर उनका तत्काल निराकरण कराने की मांग करेगा। इसके अलावा चंचल रोड का नामकरण साध्वी द्रोपदी दीदी धनवानी मार्ग करने व दुर्गा विसर्जन चल समारोह को बस स्टेण्ड से शुरु होकर प्रेमचंदानी मार्ग, वन ट्री हिल्स रोड से होकर आरा मशीन से होकर विसर्जन घाट पर विसर्जित किया जाए इसके लिए जिला प्रशासन को प्रयास करने चाहिए इस संबंध में भी विधायक को ज्ञापन सौंपा जाएगा। बैठक में पंचायत अध्यक्ष माधु चांदवानी के अलावा महासचिव नंद दादलानी, उपाध्यक्ष भरत आसवानी, जगदीश आसवानी, सहसचिव जेठानंद मंगतानी, कोषाध्यक्ष गुलाब जेठानी, सह कोषाध्यक्ष माधव पारदासानी आदि उपस्थित थे।

मेट्रो एंकर

आम सभा में घोषणा-महानगर बैंक देगी ९ फीसदी लाभांश

ग्राहक सेवा में सदैव तत्पर रहता है बैंक : सुशील वासवानी

हिरदाराम नगर., दोपहर मेट्रो।

प्रदेश की सहकारी क्षेत्र में अग्रणी महानगर नागरिक सहकारी बैंक की 29वीं वार्षिक आमसभा आयोजित की गई। बैंक के अध्यक्ष एवं पूर्व अध्यक्ष म.प्र.आवास संघ (राज्यमंत्री दर्जा) सुशील वासवानी ने कहा कि ग्राहक सेवा एवं उसकी संतुष्टि ही महानगर बैंक का प्रथम उद्देश्य हैं उन्होंने कहा कि बैंक स्थापना दिवस से ही गरीब जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए समाज उत्थान हेतु कार्य कर रही है, बैंक के ग्राहक सशक्त एवं समृद्धि हों ऐसे प्रयास करते हुए महानगर बैंक ने अपने व्यवसाय में वृद्धि करते हुए वर्तमान में 4 शाखाऐं संचालित की और महानगर भोपाल में कई स्थानों पर एटीएम के माध्यम से डिजीटल सेवाएं आमजनता को उपलब्ध करा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि बैंक के सदस्यों एवं ग्राहकों का बैंक के प्रति भाव सदैव सकारात्मक रहा हैं जिस कारण बैंक भी सफलता की उंचाइयां दिन-प्रतिदिन छू रहीं हैं। उन्होंने सदस्यों एवं ग्राहकों को आश्वस्त कराया कि जिस प्रकार से आपने महानगर बैंक पर विश्वास कर अपनी अमानतें बैंक को सौंपी हैं उसपर बैंक पूर्णरूपेण खरी उतरेगी इसके साथ ही उन्होंने सदस्यों को 9 प्रतिशत लाभांश देने की अनुमति चाही जिस पर सदस्यों द्वारा मंजूरी दी गई।

संतजी की अमानत को सुरक्षित रखेंगे: वेदांत संत एवं विचारक लाल सांई ने अपने संदेश में कहा कि महानगर नागरिक सहकारी बैंक जनता से यह वचन करती हैं कि यदि आप अपनी बचत इसमें जमा करेंगें, तो हम आपके साथ-साथ आपकी आने वाली पीढ़ी का भी भविष्य संवारेंगें, ठीक उसी प्रकार हम सबको भी यह संकल्प करना चाहिए कि संत शिरोमणि हिरदाराम साहिब जी ने जो पवित्र धरोहर और अमानत हमें सौंपी हैं, हम उसे पूरी निष्ठा और श्रद्धा से सुरक्षित रखते हुए अपने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाऐं।

बैंक पूरी सच्चाई से कर रही काम: बैंक के वरिष्ठ संचालक एवं म.प्र. शासन के पूर्व गृहमंत्री उमाशंकर गुप्ता ने कहा कि बैंक के कामकाज में कोई तकनीकी त्रुटि हो सकती हैं जिसको पता चलते ही सुधारात्मक कार्य किया जाता हैं परन्तु बैंक पूरी सच्चाई के साथ काम कर रहा है। बैंक के संचालकों एवं अतिथियों का स्वागत बैंक के अध्यक्ष सुशील वासवानी ने पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं शा्ल/श्रीफल भेंटकर सम्मान किया। इस अवसर पर शिक्षावद विष्णु गेहानी, समाजसेवी महेश दयारामानी, हीरो ज्ञानचंदानी, पूर्व न्यायाधीश पीताम्बर जी राजदेव, चन्द्रप्रकाश ईसरानी, सुरेश जसवानी, हीरो लालवानी, दिलीप मंगतानी, बसंत चेलानी, नरेन्द्र लालवानी, रमेश हिमथानी, नरेश वासवानी, कमल प्रेमचंदानी, हीरो हिन्दू, माधु चांदवानी, महेश दादलानी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थें। संचालन एवं आभार बैंक के मुख्य कार्यपालक प्रकाश आसूदानी ने किया।

डूबत ऋण एक फीसदी से नीचे रहा

मुख्य अतिथि एवं बैंक के पूर्व सलाहकार एल.डी. पण्डित ने कहा कि उन्होंने सहकारी कई बैंक में काम किया लेकिन जो कार्य ईमानदारी एवं समर्पण भाव से महानगर नागरिक बैंक कर रही हैं वह अद्धितीय हैं, उन्होंने कहा कि बैंक का सकल डूबंत ऋण एक प्रतिशत से नीचे होना एक गौरव की बात हैं और इससे बैंक की सुद्दढ़ स्थिति साफतौर पर झलक रही है।

दास महाराज ने किया कथापीठ का पूजन

हिरदाराम नगर. नुक्कड़ वाली माता मंदिर प्रांगण में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन गुफा मंदिर के जगतगुरु महामंडलेश्वर राम प्रवेश दास महाराज ने कथापीठ का पूजन किया। इस अवसर पर महाराज राम प्रवेश दास ने कथा व्यास अनिरुद्ध महाराज की कथा की प्रशंसा की। उनके साथ गुफा मंदिर धाम से पंडित भंवरलाल शर्मा भी उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत में बजरंग सेना समिति के मुख्य सलाहकार रुप कुमार सोनी, अध्यक्ष कमलेश देवानी, महासचिव गुरदास रामचंदानी और सचिव राजकुमार धानुक ने आए हुए सभी साधु-संतों का भगवा गमछा पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर आचार्य श्याम जी महाराज, पंडित नीलमणि दुबे, आचार्य पंडित गोविंद राम गर्ग, पंडित संतोष शुक्ला, राजीव शर्मा जैसे कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

राष्ट्रभाषा समारोह

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रवींद्र भवन में हिंदी दिवस पर आयोजित भारतीय भाषा अनुष्ठान समारोह को संबोधित किया।

भोपाल और ग्वालियर में बर्ड वॉचिंग टूर, पर्यटकों ने देखीं 50 से अधिक पक्षी प्रजातियां

भोपाल । मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा भोपाल के बिसनखेड़ी और ग्वालियर के महाराजपुर क्षेत्र में बर्ड वॉचिंग टूर का आयोजन किया गया। अतावी बर्ड फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित इस टूर में 45 से अधिक पक्षीप्रेमी पर्यटकों ने लगभग 50 से अधिक प्रजातियों के पक्षियों का अवलोकन किया। पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा कि मध्यप्रदेश पक्षी विविधता और प्राकृतिक धरोहर के लिए पूरे देश में विशेष पहचान रखता है। बर्ड वॉचिंग जैसे आयोजन न केवल प्रकृति प्रेमियों और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं, बल्कि यह प्रदेश में सतत पर्यटन को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण माध्यम भी हैं। ऐसे कार्यक्रमों से स्थानीय समुदायों को रोजगार और नए अवसर मिलते हैं तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता भी बढ़ती है।

पीएम मित्रा पार्क- जबलपुर, भोपाल, ग्वालियर तक बदलेगा टेक्सटाइल सेक्टर

कॉटन उगाने वाले किसानों का फायदा टेक्सटाइल सेक्टर को मिलेगी नई उड़ान

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

धार के भैंसोला में बनने वाले पीएम मित्रा पार्क से मालवा-निमाड़ के कॉटन उत्पादक किसानों को तो फायदा होगा, साथ ही भोपाल, जबलपुर से लेकर ग्वालियर तक का टेक्सटाइल सेक्टर बूस्ट होगा। बढ़ेगा टेक्सटाइल इंडस्ट्री का नेटवर्क पीएम मित्रा पार्क से आने वाले समय में जबलपुर और सागर में टेक्सटाइल इंडस्ट्री का विस्तार किया जाएगा। भोपाल के सतगढ़ी में रेडीमेड गारमेंट पार्क तैयार किया जा रहा है। ये पार्क कोलार रोड के सतगढ़ी में 61 हेक्टेयर क्षेत्र में बनाया जा रहा है। इंदौर के परदेशीपुरा में प्लग-एन-प्ले गारमेंट कॉम्प्लेक्स तैयार किए जा रहे हैं। इस कॉम्प्लेक्स में चार ब्लॉक में कुल 184 यूनिट संचालित हो सकेंगी। विक्रम उद्योगपुरी उज्जैन के साथ ही मुरैना का मेगा फुटवियर और एक्सेसरीज कलस्टर भी इससे आर्थिक और औद्योगिक रूप से मजबूत होगा।

टेक्सटाइल पार्क में 120 प्रति वर्गफीट में जमीन

पीएम मित्रा पार्क में उद्योगपतियों को ?120 प्रति वर्गफीट में जमीन मुहैया कराई जाएगी। ?4.50 प्रति यूनिट के हिसाब बिजली दी जाएगी। आइडियल टेक्सटाइल प्रोसेसिंग के लिए ?25 प्रति केएल के हिसाब से पानी मुहैया कराया जाएगा।

पीएम मित्रा पार्क में ये रहेंगे इंतजाम

- पावर सप्लाई के लिए 220 केवी का विद्युत सब स्टेशन बनाया गया है।
- 20 एमएलडी की क्षमता वाली वाटर सप्लाई डोरस्टेप तक मिलेगी।
- स्काडा मॉनिटरिंग की जाएगी।
- प्लग एंड प्ले और हाउसिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जाएगा।
- इंडियन ग्रीन बिल्डिंग कॉन्सेप्ट पर ग्रीन इंडस्ट्रियल टाउनशिप के सर्टिफिकेशन की प्रक्रिया भी चल रही है।

पार्क के लिए एमपी में नेशनल लेवल के इंस्टीट्यूट

पीएम मित्रा पार्क इसलिए मप्र के लिए अहम है। क्योंकि, यहां (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी), (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन), (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, डिजाइन एंड मेन्युफैक्चरिंग) जबलपुर और ग्लोबल स्किल पार्क भोपाल में हैं। पीएम मित्रा पार्क में तीन लाख लोगों को रोजगार मिलेगा। विशेषकर कपड़ा बनाने वाले सेक्टर में काम करने वाले कुशल श्रमिकों, कारीगरों और महिलाओं को इस पार्क से बड़ा फायदा होगा। पीएम मित्रा पार्क 5F की थीम पर काम करेगा। इसमें किसान अपने खेत से कपास कंपनियों को सीधे बेच सकेंगे। इसके बाद की प्रोसेस कपास की सफाई, कपड़े बनाने रंगाई, छपाई के बाद गारमेंटिंग, डिजाइनिंग होगी और यहीं से कपड़े सीधे विदेशों में एक्सपोर्ट होंगे। पार्क लगभग 3,00,000 नौकरियों का सृजन करेगा, जिनमें 1,00,000 प्रत्यक्ष और 2,00,000 अप्रत्यक्ष रोजगार होंगे।

उच्च स्तर का इन्फ्रास्ट्रक्चर

स्टॉर्म वॉटर ड्रेनेज, जल आपूर्ति प्रणाली, अपशिष्ट और सीवेज संग्रह, 220 KVA सबस्टेशन, SCAD-नियंत्रित यूटिलिटीज़ और सुव्यवस्थित स्ट्रीट लाइटिंग और सुविधाएं जैसी आधुनिक ट्रंक अवसंरचना शामिल है। पीएम मित्रा पार्क में निर्माण गतिविधियां तेजी से चल रही हैं। जहां 60% साइट लेवलिंग और पार्क के मुख्य द्वार का निर्माण पूरा हो चुका है। स्टेट हाइवे क्र.18 से 1.4 किमी लंबी सिक्स लेन की एप्रोच रोड, बदनावर से 220KV की पावर लाइन और माही डैम से 20 MLD जल आपूर्ति योजना जैसी प्रमुख बाहरी परियोजनाओं के काम चल रहे हैं। पार्क को ग्रीन रेटिंग प्राप्त करने के लिए इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल के साथ परामर्श प्रक्रिया भी जारी है।

सबसे ज्यादा खरगोन में होता है कपास

मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा कपास मालवा और निमाड़ क्षेत्र में किया जाता है। यहां की मिट् ?टी कपास के अनुकूल होती है। इसमें सबसे ऊपर नाम खरगोन का आता है। मध्य प्रदेश में बीते वर्ष लगभग 6,30,0000 हेक्टेयर में कपास की खेती हुई थी। इसी वर्ष कपास उत्पादन लगभग 8,73,000 मीट्रिक टन पैदा हुई थी।

गुटबाजी पर पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल ने हरीश चौधरी और जीतू पटवारी पर उठाए सवाल

प्रभारी का काम समन्वय बनाना, पार्टी बनना नही

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

कांग्रेस में जिला अध्यक्षों की नियुक्ति को लेकर उठा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। दिग्गजों को जिला अध्यक्ष बनाए जाने से अंदरखाने नाराजगी है। वहीं कई सीनियर नेताओं के क्षेत्रों में उनकी राय के खिलाफ जिलाध्यक्ष बनाए जाने से वे नाराज हैं।

अब पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल ने मप्र में संगठन सृजन अभियान के तहत जिलाध्यक्षों की नियुक्ति प्रक्रिया में हुई गड़बड़ी पर कांग्रेस के ही प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी और पीसीसी चीफ जीतू पटवारी पर हमला बोला है।

प्रभारी का काम समन्वय बनाना है न कि पार्टी बनना

भोपाल में कमलेश्वर पटेल ने गुटबाजी को लेकर कहा- गुटबाजी और प्रतिस्पर्धा हमेशा रही है। लेकिन इतनी गुटबाजी नहीं होना चाहिए, जो जिम्मेदार लोग हैं। उनकी जिम्मेदारी है। प्रदेश प्रभारी का काम समन्वय बनाने का है, न कि पार्टी बनने का।

कमलेश्वर ने कहा- मेरा तो प्रदेश प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष से निवेदन है कि आपको खरगे जी, राहुल जी ने प्रदेश का महत्वपूर्ण पद दिया है, मुखिया बनाया है। आप सबको साथ लेकर चलिए।

मुखिया मुख सों चाहिए, खान पान को एक, पालै पोसै सकल अंग, तुलसी सहित विवेक। इस तरह की भावना के साथ जिस दिन काम करना शुरू कर देंगे तो हम समझते हैं कि थोड़ी बहुत प्रतिस्पर्धा को लेकर आपस में नाराजगी हो सकती है लेकिन कोई बहुत बड़ी नाराजगी नहीं हैं। इसका समाधान किया जा सकता है और हमारे नेता कर भी रहे हैं।

संगठन सृजन अभियान में गड़बड़ियों की जांच हो रही है

कमलेश्वर पटेल ने जिलाध्यक्षों की नियुक्ति के लिए चलाए गए संगठन सृजन अभियान को लेकर कहा- संगठन सृजन में राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, केसी वेणुगोपाल की भावनाओं को दरकिनार करने की कोशिश हुई है। जहां गड़बड़ियां हुई हैं, उनकी जांच कर रहे हैं कई जगह ऐसा बहुत हुआ, मध्यप्रदेश को लेकर हाईकमान ने जाहिर भी किया गड़बड़ी हुई है। जमीनी नेताओं को दरकिनार करना गलत है। यह विसंगतियां हाईकमान के संज्ञान में हैं। व्यापार करने वालों को नहीं, जमीनी लोगों को मिलना चाहिए मौका।

अब हर चोट की तस्वीर होगी सबूत, पुलिस और डॉक्टर को कोर्ट में पेश करना अनिवार्य

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मारपीट, दुर्घटना, एसिड अटैक या किसी भी कारण से होने वाले चोट के मामलों में अब फोटो अनिवार्य साक्ष्य होंगे। पुलिस और मेडिको-लीगल केस (एमएलसी) बनाने वाले डॉक्टर को घायल की चोटों के फोटो लेना जरूरी कर दिया गया है। इन फोटो को न्यायालय में अभियोजन पक्ष की ओर से पुख्ता प्रमाण के तौर पर प्रस्तुत किया जा सकेगा। मुख्यालय ने इस संबंध में भोपाल और इंदौर के पुलिस आयुक्त, सभी जिलों, रेल और अजाक के पुलिस अधीक्षकों को निर्देश जारी किए हैं। साथ ही, स्वास्थ्य संचालनालय की ओर से सभी सीएमएचओ को पत्र भेजा जाएगा ताकि एमएलसी तैयार करने वाले डॉक्टर इस नियम का पालन करें।

अभी तक फोटो नहीं लेते थे

अब तक डॉक्टर अपनी रिपोर्ट में केवल घाव की लंबाई और गहराई लिखते थे, लेकिन फोटो नहीं लेते थे। इस व्यवस्था की आवश्यकता तब महसूस हुई जब झाबुआ जिले के मारपीट मामले में जुलाई 2025 में हाई कोर्ट इंदौर खंडपीठ ने चोट के फोटो न होने पर आपत्ति जताई थी। उस मामले में न तो घायलों को अस्पताल ले जाने वाले पुलिसकर्मी ने फोटो लिए थे और न ही डॉक्टर ने। इसके बाद पुलिस मुख्यालय की सीआईडी शाखा ने आदेश जारी कर दिया कि हर चोट के फोटो सुरक्षित रखे जाएं ताकि आवश्यकता पड़ने पर उन्हें कोर्ट में प्रस्तुत किया जा सके।

ऑल इंडिया टाइगर एस्टीमेशन वन्यजीव सर्वेक्षण की कार्यशाला

भोपाल। ऑल इंडिया टाइगर एस्टीमेशन-2026 विश्व का सबसे बड़ा वन्यजीव सर्वेक्षण की शुरुआत मध्य भारत से हुई। इस राष्ट्रीय अभियान की पहली क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला सोमवार को पेंच टाइगर रिजर्व सिवनी में नेशनल टाइगर कंज़र्वेशन अथॉरिटी और वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और स्कूल के बच्चों द्वारा बाघ राखी से हुआ, जो बाघ संरक्षण की सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इस अवसर पर लघु डॉक्यूमेंट्री एक नई सहर तथा फिल्म बाघ रक्षक ¬ साइलेंट वॉरियर्स ऑफ पेंच का टीज़र भी लॉन्च किया गया। साथ ही पेंच के समर्पित फ्रंटलाइन स्टाफ को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। कार्यशाला में लगभग 150 अधिकारी 22 टाइगर रिज़र्व और बाघ कॉरिडोर से जुड़े परिदृश्यों से इस भाग ले रहे हैं।

मप्र में पहली बार कोदो-कुटकी खरीदेगी सरकार

किसानों को मिलेगा समर्थन मूल्य

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मध्य प्रदेश सरकार पहली बार किसानों से कोदो-कुटकी खरीदेगी। इसकी शुरुआत जबलपुर के कुंडम तहसील से हो रही है। 15 सितंबर से सरकार को फसल बेचने वाले किसानों का पंजीयन शुरू हो गया है। कुंडम तहसील में करीब सात हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल में किसानों ने कोदो-कुटकी की खेती की है।

सरकार ने 2500 रुपये प्रति क्विंटल कोदो और 3500 रुपये प्रति क्विंटल कुटकी की दर निर्धारित की है। खरीदी का काम फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी (एफपीओ) को दिया गया है। यह खरीदी धान-गेहूं और उड़द-मूंग

की तरह नहीं होगी।इसमें प्रदेश सरकार सिर्फ खरीदी का काम संभालेगी और जो भी फसल खरीदी जाएगी, उसका भुगतान श्री अन्न फेडरेशन कंपनी भोपाल करेगी। खरीदी में सरकार समन्वय की भूमिका निभाने के साथ किसानों को समर्थन मूल्य भी देगी। राज्य सरकार 10 रुपये प्रति किलो समर्थन मूल्य देगी।

कृषि विभाग को जिम्मा

प्रशासन ने यह जिम्मा कृषि विभाग को सौंपा है। जिसके बाद विभाग, किसानों से फसल खरीदने के लिए एफपीओ चयनित करेगा। पहले चरण में सिर्फ एक एफपीओ, फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी को यह काम दिया जाएगा। कृषि विभाग के उपसंचालक डॉ. एसके निगम ने बताया कि खरीदी में प्रदेश सरकार पारंपरिक पब्लिक-प्रोक्योरमेंट यानी धान, गेहूं जैसी खरीदी नहीं करेगा, बल्कि सरकार इसमें केवल व्यवस्था का समन्वय करेगी, जबकि खरीदे गए अनाज का भुगतान अन्न फेडरेशन कंपनी, भोपाल द्वारा किया जाएगा।

राजभवन में रक्तदान शिविर कल, निःशुल्क होगा स्वास्थ्य परीक्षण

भोपाल । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने रक्तदान और स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाने के निर्देश दिए है। रक्तदान और निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन राजभवन में किया जाएगा। शिविर का संचालन प्रातः 11 बजे से अपराह्न 1:30 बजे तक होगा। राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी ने बताया कि शिविर का आयोजन राजभवन और रेडक्रॉस के संयुक्त तत्वाधान में किया गया है। शिविर अवधि में आमजन स्वेच्छा से रक्तदान कर मानवता के महादान का पुण्य प्राप्त कर सकते हैं। शिविर में आमजन की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच स्त्रीरोग और नेत्ररोग विशेषज्ञ करेंगे। कोठारी ने नागरिकों से अनुरोध किया है कि 17 सितंबर को राजभवन में आयोजित होने वाले शिविर में बड़ी संख्या में भाग लें।

मेट्रो एंकर

दिल्ली के 30 से अधिक अनुभवी गाइड्स प्रदेश की धरोहरों का कर रहे अध्ययन

अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों तक पहुंचेगी महेश्वर-मांडू की पहचान

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा प्रदेश के विश्वस्तरीय पर्यटन अनुभवों को बढ़ावा देने और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों के बीच महेश्वर एवं मांडू जैसे ऐतिहासिक स्थलों को प्रमुखता से स्थापित करने के उद्देश्य से क्षेत्रीय पर्यटक गाइड संघ (आरटीजीए) दिल्ली का एक अध्ययन दौरा एवं प्रोफेशनल वर्कशॉप का आयोजन किया जा रहा है।

इस यात्रा में 30 से अधिक अनुभवी और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणित गाइड्स भाग ले रहे हैं, जो भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा मान्यता प्राप्त हैं। इस ट्रिप में शामिल गाइड्स कई अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं में निपुण हैं। दिल्ली लौटने के बाद वे विदेशी पर्यटकों को भोपाल, मांडू और

महेश्वर के पर्यटन स्थलों से परिचित कराएंगे, जिससे इन धरोहर स्थलों की वैश्विक पहचान मजबूत होगी। पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में हम धरोहर संरक्षण और पर्यटन विकास को साथ लेकर चल रहे हैं, जिससे मध्यप्रदेश को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर अग्रणी स्थान दिलाया जा सके। इस भ्रमण कार्यक्रम के माध्यम से अनुभवी गाइड्स जब इन स्थलों की गहराई से जानकारी लेकर इन्हें अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों तक पहुंचाएंगे, तो निश्चित ही प्रदेश का पर्यटन और अधिक सशक्त होगा। अपर मुख्य सचिव पर्यटन, संस्कृति, गृह एवं धार्मिक न्यास तथा धर्मस्व और प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि महेश्वर और मांडू जैसे धरोहर स्थल मध्यप्रदेश की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर के अनमोल रत्न हैं। आरटीजीए दिल्ली के अनुभवी गाइड्स जब इन स्थलों का गहराई से अध्ययन करेंगे, तो वे इन्हें और प्रभावशाली तरीके से अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों के बीच प्रस्तुत कर पाएंगे। यह पहल प्रदेश के पर्यटन को वैश्विक पहचान दिलाने और मध्यप्रदेश को भारत का प्रमुख हेरिटेज डेस्टिनेशन बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

दर्शनीय स्थलों का भ्रमण

अध्ययन दौरे की शुरूआत 14 सितंबर को आरटीजीए के प्रतिनिधियों के दिल्ली से भोपाल आगमन के साथ हुई। उन्होंने भोपाल में ताज-उल-मस्जिद, कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर, बिरला म्युजियम और भारत भवन का भ्रमण किया। सोमवार, 15 सितंबर को प्रतिनिधि मांडू के लिए रवाना हुए। मांडू पहुंचकर उन्होंने रानी रूपमति महल, बाज बहादुर महल, जहाज महल, होशंगशाह का मकबरा, नीलकंठ महादेव मंदिर आदि का भ्रमण किया। मंगलवार, 16 सितंबर को वे मांडू से महेश्वर के लिए प्रस्थान करेंगे। महेश्वर में प्रतिनिधि अहिल्या फोर्ट, घाटों, होम स्टे, पर्यटक सुविधा केंद्र आदि प्रमुख पर्यटन स्थलों का अवलोकन करेंगे। 18 सितंबर को सभी प्रतिनिधि दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे। पुरातत्व विभाग के उपसंचालक श्री प्रकाश परांजपे, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के सब-कनज़र्वेशन ऑफिसर श्री प्रशांत पाटनकर तथा पुरातत्वविद् डॉ. देवी प्रसाद पांडे ने प्रतिनिधियों को प्रदेश की धरोहरों की ऐतिहासिक एवं संरचनात्मक महत्ता पर विस्तृत जानकारी प्रदान कर रहे हैं।

जब दिल नहीं मिल रहे तो हाथ मिलाने का क्या मतलब !

दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम रविवार की शाम नाटकीय घटनाक्रमों का गवाह बना। पाकिस्तान को एशिया कप टी-20 मुकाबले में करारी शिकस्त देने के बाद भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने प्रतिद्वंद्वी टीम के कतारबद्ध खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया। टॉस के दौरान भी उन्होंने कप्तान सलमान आगा से हाथ नहीं मिलाया था। मुकाबला चाहे बहुराष्ट्रीय प्रतियोगिता का हिस्सा हो या फिर द्विपक्षीय सीरीज का, टॉस के समय कप्तानों और परिणाम के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों का शेकहैंड एक तरह से प्रोटोकॉल है और सूर्यकुमार यादव ने इसका पालन नहीं किया। भारत की पाकिस्तान पर बड़ी जीत से गद्गद् भारतीय समर्थकों के लिए उस समय खुशियों का कोई ठिकाना नहीं रहा जब सूर्यकुमार ने टीम की यह उपलब्धि पहलगाम हमले के शहीदों और सशस्त्र बलों के शौर्य को समर्पित कर दी। हाथ न मिलाने का फैसला सूर्यकुमार यादव तथा उनकी टीम ने तत्काल नहीं लिया था। पाकिस्तान के खिलाफ खेलने को लेकर देशभर में हुए विरोध प्रदर्शनों को देखते हुए यह फैसला लिया गया था। अब इस मामले पर खेल जगत में तीव्र प्रतिक्रियाओं की अभिव्यक्ति के साथ सियासत भी गर्मा चुकी है। पर इतना तय है कि इसके दूरगामी असर नजर आएंगे। हो सकता है इससे दोनों मुल्कों के बीच क्रिकेट के मैदान पर प्रतिद्वंद्विता पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा कड़ी हो जाए। एशिया कप में 21 तारीख को फिर इन्हीं दो टीमों के बीच मुकाबला संभावित है। पाकिस्तान की टीम जब से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने लगी, उसका सबसे बड़ा प्रतिद्वंद्वी अगर कोई है तो वह भारत ही है। इन दोनों देशों के दरम्यान क्रिकेट में इतनी तीव्र प्रतिद्वंद्विता हमेशा से ही क्यों रही है यह अब पड़ताल का विषय नहीं रहा। दरअसल कश्मीर को भारत से अलग करने के हर प्रयास में पाकिस्तान हर बार मुंह की खाता रहा है। संयोग से नब्बे के दशक के शुरुआती काल तक पाकिस्तानी क्रिकेट टीम भारत के मुकाबले बीस थी। वह भारत को लगातार हरा रही थी। रणक्षेत्र में पिटता पाकिस्तान रनक्षेत्र में भारत को हराकर सुकून महसूस करता रहा। उसे क्रिकेट के मैदान में भारत के खिलाफ जीत, मैदान-ए-जंग में हार का बदला चुकाने का तसल्ली भरा एहसास दिलाती थी। उसके खिलाड़ियों में भारत को येन-केन प्रकारेण हराने की भावना दिन-ब-दिन तीव्र होने लगी। दूसरी ओर सरहद के इस पार भी बंटवारे का दर्द लोगों में था। भारतीयों को दुनिया के किसी भी देश के खिलाफ हार मंजूर थी लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ हर हाल में जीतने का दबाव खिलाड़ियों पर बढ़ने लगा। हन यह हुआ कि दोनों देशों के बीच आपसी टकराव, संघर्ष तीव्र होने लगा और भारत-पाकिस्तान के बीच मैदान पर प्रतिद्वंद्विता क्रिकेट की दुनिया में सबसे बड़ी हो गई। इस बीच पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज आए बगैर भारत में दहशतगर्दी को हवा देता रहा। पहलगाम की वारदात को अंजाम देकर पाकिस्तान ने फिर साबित कर दिया कि वह टेढ़ी पूंछ है। उसकी इसी हरकत का असर सूर्यकुमार यादव तथा उनकी टीम की दुबई में प्रतिक्रिया है। दुनिया इसे जो भी समझे या माने लेकिन आधी सदी से भी अधिक समय तक दहशतगर्दी का दंश झेल चुके एक मुल्क की पीड़ा औरों को क्या पता? इस समय पाकिस्तानी क्रिकेट टीम रसातल पर है। असल में पूरा पाकिस्तान ही रसातल में है। लगातार सियासी अस्थिरता और हुक्मरानों में दूरदर्शिता के अभाव का यह परिणाम है। पिछ्ले 75 सालों में हुकूमत लंबे समय तक फौज के हाथों का खिलौना रही है। इसके अलावा पाकिस्तान ने अपनी सारी शक्ति भारत से कश्मीर को अलग कराने में और इसके लिए आतंकी हरकतों को खाद-पानी देने में जाया कर दी। आज कंगाल पाकिस्तान इसी वजह से हम देख रहे हैं। दुर्भाग्य यह है कि वह अपनी इस हालत से भी सबक नहीं ले रहा है !

सुविचार

शिक्षा सबसे सशक्त हथियार है जिससे दुनिया को बदला जा सकता है।
– नेल्सन मंडेला

निशाना

हिंदी सकुचाती फिरै..!

–सीमा मिश्रा 'सुशी'

सहज लगी हिंदी सदा,
अंग्रेज़ी थी भार।
किन्तु सहजता से नहीं,
चलता कारोबार।।
हिन्दी सकुचाती फिरे,
अपने घर में आज।
अंग्रेज़ी को दे रखा,
हमने तख्तो-ताज़।
कर सकते हैं क्यों नहीं,
रोज़ रोज़ ही गर्व।
बस हिंदी का क्यों रहे,
भला एक दिन पर्व।।
अंग्रेजी में है ठसक,
औ हिन्दी में प्यार।
हमको पलड़ा प्यार का,
भारी है हर बार।।
मात्राओं का रख लिया,
जिसने पूरा मान।
हिन्दी की ममता रही,
उस पर ही कुर्बान।।
हिन्दी में ग़ज़लें कहें,
औ उर्दू में छंद।
गंगा जमुना में बहें,
मनोभाव स्वच्छंद।।
उल्टी सीधी वर्तनी,
शब्दों का अपमान।
तुमने हिंदी में लिखा,
यही बहुत अहसान।।
अक्सर रहती है सहज,
कभी कभी है क्लिष्ट।
पर हिंदी मां की तरह,
लगती सदा विशिष्ट।

17 सितंबर जन्मदिवस पर विशेष

प्रधानमंत्री मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में आत्मनिर्भर व विकसित भारत

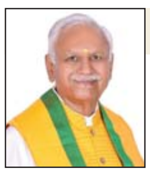

सुरेश पचौरी

(लेखक भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता तथा पूर्व केन्द्रीय मंत्री हैं)

यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का 17 सितंबर को 75 वां जन्मदिवस है। गुजरात के मेहसाणा जिले के एक छोटे से गांव बड़नगर से शुरू हुई उनकी जीवन यात्रा में आए तमाम उतार-चढ़ाव के बीच अपनी लगन, निष्ठा, परिश्रम, त्याग, दृढ़ इच्छाशक्ति और राष्ट्रप्रेम के चलते वे भारतीय राजनीति के शलाका पुरूष बन चुके हैं। वे आज सिर्फ भारत के प्रधानमंत्री के रूप में ही नहीं जाने-पहचाने जाते, वरन आज वे विश्व के अग्रणी शीर्ष नेताओं में शुमार हो चुके हैं। श्री नरेन्द्र मोदी का जीवन संघर्ष की गाथा से भरा हुआ है, वस्तुतः वे संघर्षो की उपज हैं। वे ऐसे तपे-तपाए जननेता हैं, जिनमें कुंदन की कठोरता भी है और चंदन की शीतलता भी विद्यमान है। उनके चिंतन में राष्ट्र, राष्ट्रबोध एवं राष्ट्रहित सर्वोपरि है और इसी उदात्त भावना से ओतप्रोत होकर उन्होंने किशोरावस्था में अपना घर-द्वार छोड़कर जनसेवा की ओर जो कदम बढ़ाए, वे आज तक नहीं रूके।

प्रधानमंत्री के रूप में विगत 11 वर्षों के दौरान मोदी जी ने भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन कार्ययोजनाओं को अमली जामा पहनाया, जिसका भाजपा चुनाव घोषणा पत्र में वादा किया गया था। चाहे वह सामाजिक-आर्थिक बदलाव हों, चाहे प्राकृतिक संसाधनों, खनिजों, सांस्कृतिक धरोहरों आदि का संरक्षण हो या फिर देश के किसानों के कल्याण के लिए कृषि पर आधारित अर्थव्यवस्था हो, सब पर विशेष ध्यान दिया गया। महिला सशक्तिकरण की दिशा में मोदी सरकार द्वारा अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिससे करोड़ों महिलाओं को लाभ मिल रहा है। मोदी जी के मार्गदर्शन में युवाओं में नवाचार और आत्मनिर्भरता की भावना बढ़ाने के लिए स्टार्टअप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया और डिजिटल स्किल इंडिया जैसी योजनाओं का सूत्रपात हुआ है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, सुकन्या समृद्धि योजना और महिला स्व सहायता समूहों को सशक्त कर उन्होंने सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में परिणाममूलक कदम उठाए।

श्री नरेन्द्र मोदी के ग्यारह वर्षों के प्रधानमंत्री के कार्यकाल पर नजर दौड़ाएं तो बहुत स्पष्ट दिखता है कि इस दौरान देश ने प्रगति की दिशा में तेज रफ्तार पकड़ी, आम आदमी के जीवन में खुशहाली आई, समाज के कमजोर वर्गों के लोगों के जीवन में सुधार आया, देश की अर्थव्यवस्था बेहतर हुई, दुनिया में भारत के मान-सम्मान में वृद्धि हुई, पड़ोसी दुश्मन देश पाकिस्तान को ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान मुंह की खानी पड़ी और सबसे बड़ी बात तो यह कि अमेरिका जैसा संप्रभुता संपन्न राष्ट्र मोदी जी के कसीदे पढ़ने लगा। श्री मोदी देश हित में इतने दृढ़ प्रतिज्ञ हैं कि दुनिया की कोई ताकत आज तक उन्हें सिद्धांतों से न तो डिगा सकी है और न ही झुका सकी है। उनका यह आत्मबल न सिर्फ करोड़ों भारतवासियों बल्कि विश्व के दीगर मुल्कों में रहने वाले भारतवासियों को संबल प्रदान करता है। 'यह नया भारत है, दुश्मन को उसके घर में घुसकर मारता है', ऐसे सिंहनाद से देश का आम जनमानस खुद को सुरक्षित तो महसूस करता ही है, साथ ही नये भारत की उपलब्धियों पर उसे गर्व भी होता है। निःसंदेह, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। देश में चहुंमुखी प्रगति हो रही है। हमारी जीडीपी की दर भी संतोषजनक है। रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। देश विरोधियों और भ्रष्टाचारियों के विरूद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति परिणाममूलक है। देश की सीमाएं सुरक्षित हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ की काट के लिए मोदी जी द्वारा स्वदेशी अपनाने का जो आहवान किया गया, लोगों का इस दिशा में झुकाव बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सरकार की योजनाओं के केन्द्र बिन्दु में हमेशा 'आम आदमी' को रखा। इस सोच के साथ गरीब कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। मसलन, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत देश के करोड़ों परिवारों को पक्के घर दिए गये। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत लाखों शौचालयों का खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माण कराया गया। उज्जवला योजना के माध्यम से गरीब महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन प्रदान कर उनके स्वास्थ्य और गरिमा की रक्षा की। बेहतर स्वास्थ्य सुविधा के मद्देनजर आयुष्मान भारत योजना शुरू की गई, जिससे 50 करोड़ से अधिक लोगों को स्वास्थ्य बीमा का सुरक्षा कवच मिला। जल जीवन मिशन से हर घर को नल से जल उपलब्ध कराने की दिशा में ऐतिहासिक कार्य किया जा रहा है। आधारभूत संरचना की बात की जाये तो प्रधानमंत्री ने इसे राष्ट्र की रीढ़ मानते हुए इसमें भारी निवेश किया। सड़कों, रेलवे, बंदरगाहों, हवाई अड्डों और डिजिटलीकरण में उल्लेखनीय प्रगति देखने को मिल रही है। ग्रामीण भारत में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता के साथ-साथ शहरी क्षेत्रों में मेट्रो और स्मार्ट सिटी जैसी योजनाएं मूर्तरूप ले रही हैं।

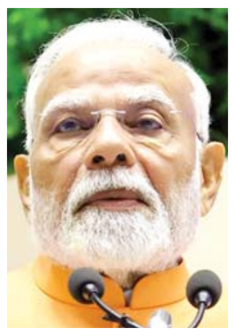

मोदी जी की दृष्टि में देश का अन्नदाता किसान सदैव प्राथमिकता में रहा है। उन्होंने किसानों की आर्थिक दशा सुधारने के लिए अनेक योजनाओं का प्रावधान किया। उनकी सोच बहुत स्पष्ट है कि कृषि आजीविका का साधन मात्र न रहे, बल्कि यह लाभ का व्यवसाय बने। फिलहाल किसानों के सम्मान स्वरूप उन्हें दी जाने वाली प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से सालाना 6 हजार रूपये की सीधी सहायता दी जा रही है। ई-नाम पोर्टल द्वारा कृषि मंडियों को ऑनलाइन जोड़ा गया है, जिससे लाखों किसान लाभान्वित हो रहे हैं। मृदा स्वास्थ्य कार्ड, परम्परागत कृषि विकास योजनाओं जैसी जनहितैषी पहल से उत्पादन और गुणवत्ता में सुधार हुआ है। श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देश में रेल नेटवर्क का व्यापक विस्तार हो रहा है। जम्मू-कश्मीर सहित पूर्वोत्तर राज्यों में अभूतपूर्व रेल क्रांति दिखाई दे रही है। ये राज्य पर्यटन के नक्शे में प्रमुखता से दर्ज होने लगे हैं, मिजोरम जैस दुर्गम एवं पहाड़ी राज्य में बैराबी-सैरांग रेल परियोजना मिजोरम को पहली बार रेल नेटवर्क से जोड़ने वाली ऐतिहासिक उपलब्धि है।

मोदी सरकार के कार्यकाल में राष्ट्रीय सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। रक्षा विनिर्माण के क्षेत्र में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऑपरेशन सिन्दूर के बाद तो भारत रक्षा मामलों में विश्व का सिरमौर बन गया है। भारत आज रूस,अमेरिका, फ्रांस सहित 100 से अधिक देशों को सैन्य हथियार और रक्षा उपकरण निर्यात कर रहा है। रक्षा मंत्रालय की तरफ से वित्तीय वर्ष 2023-2024 के द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार साल 2004 से 2014 तक जो एक्सपोर्ट मात्र 4,312 करोड़ का हुआ करता था, वह 2014-2024 में बढ़कर 88,319 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, पिछले दस साल में यह रफ्तार इतनी तेजी से बढी कि अब तक के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भारत की सैन्य शक्ति को सदैव न केवल प्रोत्साहित किया बल्कि रक्षा निर्यात को बढ़ाने पर बल दिया। आज भारत का डिफेंस एक्सपोर्ट 23,622 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। रक्षा मंत्रालय की तरफ से जारी किए गए आंकड़ों में बताया गया है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत का डिफेंस एक्सपोर्ट पिछले साल के मुकाबले 12.04 प्रतिशत बढ़ा है। साल 2023-2024 में डिफेंस एक्सपोर्ट 21,083 करोड़ रुपये था, इसमें 2539 करोड़ का इजाफा हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी ने विगत 11 वर्षों के दौरान भारत को गौरवशाली भारत बनाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने 12 बार लाल किले पर तिरंगा फहराया, जो एक मजबूत, स्थिर और दूरदर्शी नेतृत्व का प्रतीक है। उनकी सरकार 25 करोड़ भारतीयों को गरीबी रेखा से बाहर लाई। यह नये भारत की वास्तविक तस्वीर है। रक्षा उत्पादन में 175 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो आत्मनिर्भर भारत की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। रक्षा निर्यात में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, स्वदेशी के प्रति मोदी जी की पक्षधरता जगजाहिर है, फलतः देश की 65 प्रतिशत रक्षा आवश्यकताएं अब भारत में पूरी हो रही हैं।

एक साधारण परिवार में जन्में तथा गांव के परिवेश में पले-बड़े नरेन्द्र मोदी का जीवन प्रेरणास्पद है। उनकी सोच में एक ऐसा भारत बसता है, जिसकी पहचान वर्ष 2047 तक विकसित भारत के रूप में बनें। उन्होंने हमेशा कहा - सबका साथ,सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास इसी मूल मंत्र के साथ उनके नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने हर वर्ग को साथ लेकर चलने की नीति अपनाई, जिसका सुखद परिणाम देखने को मिल रहा है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के कर्णधार नरेन्द्र मोदी सर्वाधिक अवधि तक प्रधानमंत्री पद को सुशोभित करने वाले दूसरे प्रधानमंत्री हैं। उन्हें सर्वाधिक कार्यकाल तक गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री होने का सौभाग्य प्राप्त है। उनकी राजनैतिक यात्रा पर विहंगम दृष्टि डालें तो वे एक अविश्रांत, अविचल, ध्येयनिष्ठ व कर्मयोगी पथिक के रूप में नजर आते हैं, जिनका लक्ष्य है समाज की अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति के आंसू पोंछना और मोदी जी कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन् की भावना के साथ अपने ध्येय के प्रति समर्पित हैं। आज संपूर्ण विश्व में मोदी जी की ख्याति गूंज रही है। वे जिस भी देश के दौरे पर जाते हैं, उस देश के सर्वोच्च सम्मान से नवाजे जाते हैं। वैश्विक प्रभावी नेता की छवि बना चुके श्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता तथा प्रभुत्व का यह आलम है कि दुनिया के 27 देश उन्हें अपने देश के प्रतिष्ठापूर्ण शिखर सम्मान से सम्मानित कर चुके हैं। उनके पास जनविश्वास की सबसे बड़ी पूंजी है और यही वजह है कि भारत की जनता ने उनके ऊपर भरोसा जताते हुए तीसरी बार उन्हें प्रधानमंत्री के रूप में सत्ता के सबसे उच्च आसन पर आरूढ़ किया। मोदी जी को उनके 75वें जन्मदिवस के शुभ प्रसंग पर कोटिशः बधाई, अनंत आत्मीय मंगलकामनाएं एवं हार्दिक अभिनंदन।

सेवा और स्वाभिमान का संगमः मप्र में आदि सेवा पर्व और अलीराजपुर का आलीराजपुर हो जाना

भारत की सांस्कृतिक विविधिता में यदि कोई समाज सबसे अधिक जीवंत और मौलिक माना जा सकता है तो वह है हमारा जनजातीय समाज। यह समाज अपने संगीत, नृत्य और जीवनशैली के कारण से तो अद्वितीय है ही, साथ में अपने संघर्षों और स्वाभिमान की कहानियों से भी भारतीय इतिहास को गौरवान्वित करता है। मध्यप्रदेश, जो भारत का हृदय प्रदेश है, आज जनजातीय समाज की इस समृद्ध परंपरा और संस्कृति का सबसे बड़ा केन्द्र है। यहाँ की लगभग 21 प्रतिशत आबादी अनुसूचित जनजातियों से आती है। राज्य के धार, झाबुआ, आलीराजपुर, मंडला, डिंडोरी, बालाघाट, शहडोल और उमरिया जैसे जिले जनजातीय जीवन के सजीव केंद्र हैं।

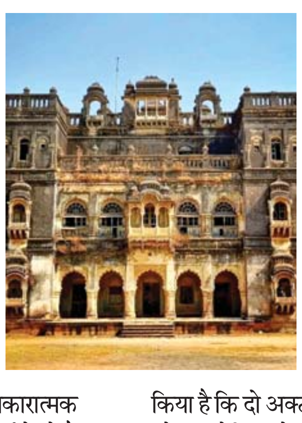

इस समाज ने स्वतंत्रता संग्राम से लेकर जंगल-जमीन और अपने अधिकारों की रक्षा तक, हर दौर में अद्वितीय साहस दिखाया है। परंतु यह भी उतना ही सच है कि स्वतंत्रता के बाद भी यह समाज लंबे समय तक मुख्यधारा से पीछे रह गया। शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छ पेयजल, आजीविका और सामाजिक सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं तक इनकी पहुँच सीमित रही। किंतु आज हवा बदली हुई है, अब केंद्र एवं राज्य सरकारों के सकारात्मक प्रयास इनके जीवन में उत्सावर्धक परिवर्तन लाते हुए दिखाई दे रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 सितंबर 2025 को धार जिले के भैसोला गांव से आदि सेवा पर्व का शुभारंभ करेंगे, तब उससे पहले एक बड़ा क्रातिकारी कार्य राज्य सरकार ने अलीराजपुर का नाम बदलकर आलीराजपुर कर दिया। वस्तुतः यह केवल प्रतीकात्मक घटनाएं नहीं , बल्कि इन्हें जनजातीय समाज के स्वाभिमान, सेवा और आत्मनिर्भरता की नई दिशा के रूप में देखा जाना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण यह कि इससे जनजातीय समाज में आत्मविश्वास और स्वाभिमान बढ़ेगा। वस्तुतः आज यह कहने के पीछे बहुत सटीक तर्क भी मौजूद है। भील राजा आलिया भील इतिहास का वह नाम है, जिसने अपने समय अपने समाज के बीच एक नेतृत्वकर्ता की भूमिका निभाई। उन्होंने अपने समाज को संगठित किया और उन्हें यह संदेश दिया कि अन्याय के विरुद्ध खड़े होना ही सच्चा स्वाभिमान है। अंग्रेजों के विरुद्ध उनके नेतृत्व में ही भील समाज ने संगठित होकर अपने जंगल-जमीन और जीवनशैली को बचाने के लिए संघर्ष किया था। इस प्रकार आलिया भील का संघर्ष भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की नींव में उस अदृश्य शक्ति के रूप में समाहित है जिसने समाज को आत्मसम्मान और स्वाधीनता से जीवन जीने की प्रेरणा दी थी । इसीलिए तो आलिया भील का नाम जनजातीय परंपरा में आज भी लोकगाथाओं, गीतों और कहानियों में जीवित है।

आज निश्चित ही राज्य में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस दिशा में ठोस पहल की है। अलीराजपुर का नाम बदलकर आलीराजपुर करना इसका उदाहरण है। यह निर्णय केवल अक्षरों का परिवर्तन नहीं है, इससे बहुत आगे यह जननायक की स्मृति को सम्मान देने का प्रयास है। उनके नाम पर जिले का नामकरण जनजातीय समाज के लोक को यह संदेश देता है कि उनके नायक केवल इतिहास की किताबों तक सीमित नहीं, बल्कि शासन की प्राथमिकता का हिस्सा भी हैं। वस्तुतः जब हम आलिया भील जैसे जननायकों को स्मरण करते हैं और जनजातीय समाज को नई दिशा देने की कोशिश करते हैं । यह अपने इतिहास पुरुषों के प्रति श्रद्धांजलि भी है । इसी तरह से जनजाति समाज को गौरवान्वित करने वाला ये आदि सेवा पर्व है। जिसमें जनजाति समाज हित अनेक योजनाओं पर गहरा काम एक साथ संपंन किया जाएगा। इस आदि सेवा पर्व का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है ट्राईबल विलेज विज़न 2030। इसके अंतर्गत हर जनजातीय गाँव का एक दीर्घकालिक रोडमैप तैयार किया जा रहा है। इसमें गाँव की स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा की गुणवत्ता, शुद्ध पेयजल की उपलब्धता, पोषण, महिला और बाल विकास, आजीविका और सामाजिक सुरक्षा जैसी आवश्यकताओं को समग्र रूप से शामिल किया गया है । वस्तुतः सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि दो अक्टूबर 2025 तक हर ग्राम सभा विलेज एक्शन प्लान को अनुमोदित करे। इस तरह पहली बार गाँव के लोग स्वयं अपनी विकास योजना के निर्माता और भागीदार बनेंगे। योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आदि सेवा केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। इन केंद्रों के माध्यम से शिकायत निवारण और सेवा वितरण की व्यवस्था होगी। विभिन्न विभाग पंचायत, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, वन, कृषि और जल जीवन मिशन, इन केंद्रों से तालमेल कर योजनाओं को लागू करेंगे।

देखा जाए तो इस मॉडल का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि अब किसी भी ग्रामीण को योजना का लाभ लेने के लिए जिले या राजधानी नहीं दौड़ना पड़ेगा। उसकी समस्या गाँव में ही हल होगी और योजनाओं का लाभ सीधे गाँव तक पहुँचेगा। इन दोनों ही प्रयासों को देखते हुए कहना होगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने शासनकाल में जनजातीय समाज को नई पहचान दी है। बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस घोषित करना, देशभर में जनजातीय संग्रहालयों की स्थापना, वनाधिकार कानून का प्रभावी क्रियान्वयन और अब आदि कर्मयोगी अभियान एवं अलीराजपुर का नाम स्थान के अनुसार एक महानायक आलीराज के नाम से कर देना, वास्तव में ये वो कदम हैं जोकि आज जनजातीय संवेदनशीलता के प्रति केंद्र की मोदी सरकार को ह्दय से बहुत धन्यवाद देती है। दूसरी ओर प्रदेश की डॉ. मोहन सरकार के द्वारा लगातार इस दिशा में किए जा रहे नवाचार हैं, उनकी संवेदना व प्रतिबद्धता भी समान रूप से जनजाति समाज के कल्याण के लिए आज कार्य करती हुई दिखाई देती है। इसके लिए उन्हें भी बहुत आभार है।

'गजवा-ए-हिंद' का सपना और महबूब आलम की गिरफ्तारी

■ डॉ मयंक चतुर्वेदी

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा हाल ही में पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के बिहार प्रदेशाध्यक्ष महबूब आलम की गिरफ्तारी की गई है, इसे उस गहरी साजिश के तहत पकड़ा गया है जो भारत को भीतर से तोड़ने के लिए वर्षों से बुनी जा रही थी। वस्तुतः महबूब आलम, कटिहार जिले का निवासी, उन 26 आरोपितों में से एक है जिन पर 2022 में फुलवारीशरीफ में दर्ज आपराधिक आतंकी साजिश का आरोप है। उसका काम था संगठन के कैडरों तक विदेशी फंड पहुँचाना, युवाओं को कट्टरपंथ की राह पर लगाना और उस नेटवर्क को मजबूत करना जिसका लक्ष्य था भारत को वर्ष 2047 तक इस्लामी राष्ट्र बना देना।

यहाँ यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या यह केवल एक संगठन की हद तक सीमित है या फिर इसके पीछे कहीं अधिक गहरी, संगठित और अंतरराष्ट्रीय स्तर की योजना काम कर रही है? क्योंकि जुलाई 2022 में फुलवारीशरीफ से बरामद आठ पन्नों का दस्तावेज 'इंडिया विजन 2047' इस सवाल का उत्तर देता है। यह दस्तावेज भारत की संप्रभुता को समाप्त कर इस्लामी शासन स्थापित करने का खाका था। इसमें साफ लिखा मिलता है कि यदि केवल दस प्रतिशत मुस्लिम आबादी भी साथ आ जाए तो बहुसंख्यक समाज को दबाकर सत्ता पर कब्जा किया जा सकता है। इस साक्ष्य में चार चरणों का उल्लेख किया गया मिला है। पहला, युवाओं को संगठन से जोड़कर कट्टरपंथ की ओर मोड़ना। दूसरा, उन्हें हथियार चलाने और मार्शल आर्ट्स का प्रशिक्षण देना। तीसरा, पुलिस, सेना और न्यायपालिका जैसी संस्थाओं में अपने वफादार स्थापित करना और चौथा, विदेशी सहयोग से सीधे संघर्ष में उतरना। इस दस्तावेज में प्रधानमंत्री पर हमला करने की योजना बनाने और उसे कैसे अंजाम देना है, इस तक दर्ज मिला। आज यहां महबूब आलम की गिरफ्तारी से जो बातें सामने आईं, वे बताती हैं कि उसका काम केवल स्थानीय स्तर तक सीमित नहीं था। वह गल्फ देशों से हवाला के जरिए आने वाले धन को नेटवर्क तक पहुँचाने में सक्रिय था। यह धन युवाओं की भर्ती, उन्हें ट्रेनिंग देने और प्रोपेगेंडा चलाने में खर्च होता था। 'इंडिया विजन 2047' दस्तावेज में तुर्की का विशेष उल्लेख था कि संघर्ष की स्थिति में वह भारतीय मुस्लिमों की मदद करेगा। इसका सीधा अर्थ है कि यह केवल भारत के भीतर की समस्या नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय जिहादी नेटवर्क का हिस्सा है। 'गजवा-ए-हिंद' की विचारधारा इसी नेटवर्क का ईंधन है। इस अवधारणा का अर्थ है, भारत की धरती पर इस्लामी शासन की स्थापना। पाकिस्तान, अफगानिस्तान और मध्य एशिया के कट्टरपंथी गुट इस विचार को वर्षों से बढ़ावा देते आए हैं। आईएसआईएस और अल-कायदा ने भी इसका इस्तेमाल भारतीय युवाओं को बरगलाने के लिए किया। सोशल मीडिया पर हजारों संदेश फैलाए गए, जिनमें भारत को 'अगला युद्धक्षेत्र' बताया गया। महबूब आलम और उसके जैसे लोग इसी विचारधारा के वाहक हैं।यहाँ यह देखना आवश्यक है कि यह नेटवर्क कितना व्यापक था। बिहार में महबूब आलम और सज्जाद आलम, केरल में मुहम्मद मुबारक, महाराष्ट्र में डॉ. अदनान अली सरकार और तमिलनाडु में मुहम्मद अखलथुर जैसे नाम सामने आए। कहीं हिट लिस्ट तैयार की जा रही थी, कहीं युवाओं को हथियार चलाने की ट्रेनिंग दी जा रही थी, तो कहीं विदेशी फंडिंग और प्रचार-प्रसार का काम हो रहा था। एक तरह से देखा जाए तो यह पूरे देश को जकड़ने की साजिश थी।

आज चिंता यह है कि भारत का लोकतंत्र विविधता और सहिष्णुता पर टिका है। लेकिन जब कोई संगठन युवाओं को यह विश्वास दिलाता है कि उनकी अस्मिता केवल इस्लामी शासन से सुरक्षित रह सकती है, तो यह केवल संविधान पर हमला नहीं करता, बल्कि करोड़ों भारतीय मुसलमानों को भी कठघरे में खड़ा कर देता है जो शांति और प्रगति में विश्वास रखते हैं। यह स्थिति खतरनाक है क्योंकि इससे सामाजिक ताने-बाने में दरार पड़ती है। अब इस मामले में भले ही सरकार और सुरक्षा एजेंसियों ने समय रहते कठोर कार्रवाई की, परंतु ध्यान में आता है कि सिर्फ प्रतिबंध लगाना पर्याप्त नहीं है। फंडिंग के स्रोतों पर कड़ी निगरानी, साइबर स्पेस पर नजर, और युवाओं को सकारात्मक दिशा देना अनिवार्य है। स्थानीय स्तर पर इस्लामिक मजहबी नेताओं और शिक्षाविदों को भी चाहिए कि वे सुधार के लिए आगे आएं ताकि कट्टरपंथी विचारधाराओं का प्रतिकार हो सके। महबूब आलम की गिरफ्तारी से यह स्पष्ट है कि लोकतंत्र के सामने सबसे बड़ी चुनौती बाहरी नहीं, बल्कि भीतर से पनप रही वैचारिक घुसपैठ है। यह केवल कानून-व्यवस्था का मामला नहीं है, इससे भी कहीं आगे की राष्ट्रीय अस्मिता की लड़ाई है। 'गजवा-ए-हिंद' का सपना देखने वाले यह भूल जाते हैं कि भारत केवल एक भू-राजनीतिक इकाई नहीं, बल्कि साझा संस्कृति और सभ्यता का प्रतीक है। इस चेतना को न तो हथियारों से दबाया जा सकता है और न ही हिंसा से नष्ट किया जा सकता है।

आज आवश्यकता है सामूहिक सतर्कता की। नागरिकों के जागरूकता की । सच यही है कि भारत की ताकत उसकी विविधता और लोकतांत्रिक व्यवस्था में है। इसे बचाए रखना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। महबूब आलम की गिरफ्तारी हमारे लिए एक चेतावनी है कि यदि हम सचेत नहीं हुए तो 2047 का सपना केवल विकास और प्रगति का नहीं, बल्कि वैचारिक संघर्ष का भी हो सकता है। इसलिए आज ही यह निश्चय करना होगा कि भारत किस राह पर जाएगा ! कट्टरपंथ और हिंसा की ओर या सहिष्णुता और समृद्धि की ओर?

–लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

खाद वितरण एवं मूंग उपार्जन भुगतान की समीक्षा

जिले में खाद की कालाबाजारी रोकने के लिए हर कदम उठाए मैदानी अमला

अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा निर्देश

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर सोनिया मीना ने जिले में खाद वितरण एवं किसानों को उपार्जित मूंग के शेष भुगतान की स्थिती के संबंध में समीक्षा की। जिले में किसानों को खाद के सुचारू वितरण के संबंध में सूचना का प्रवाह इस तरह सुनिश्चित करें कि आधार स्तर तक प्रत्येक किसान को वितरण की सटीक सूचना मिले, जिससे किसी भी प्रकार की भ्रमित करने जैसी स्थिति न बने और किसान बिना किसी परेशानी के खाद का उठाव समिति अथवा गोदाम से कर सकें।

कलेक्टर ने कहा कि आने वाले सप्ताह में जिले को खाद की रैक प्राप्त होने वाली है। जिससे जिले में डबल लॉक गोदाम एवं समितियां में खाद का भंडारण करवाया जाएगा। इसके लिए मार्कफेड, कृषि विभाग एवं समितियां किसानों को त्वरित गति से वितरण करवाए जाने की समस्त व्यवस्थाएं पूर्व नियोजित कर लें। कलेक्टर ने सहकारिता विभाग एवं डीआरसीएस को निर्देशित किया की समितियां के माध्यम से किसानों को किए जाने वाले खाद वितरण की जानकारी स्थानीय स्तर पर पर्याप्त रूप से प्रसारित की जाए। कलेक्टर ने स्पष्ट रूप से निर्देश दिए की अधिकारी कालाबाजारी पर गंभीरता से अंकुश लगाए। उन्होंने निर्देश दिए की कालाबाजारी करने वालों के ऊपर ठोस कार्यवाही की जाए। कलेक्टर ने कहा कि सभी एसडीएम अपने क्षेत्र अंतर्गत निजी खाद विक्रेताओं के पास खाद की शेष उपलब्धता की निरंतर मॉनिटरिंग करें तथा उपलब्धता के अनुसार वितरण भी सुनिश्चित करवाएं। बैठक के दौरान कलेक्टर ने समस्त एसडीएम को निर्देश दिए की किसान संगठनों के साथ बैठक आयोजित कर एवं अपने-अपने क्षेत्र के किसानों को सूचित कर कि खाद के अग्रिम भंडारण के लिए किसी भी प्रकार की हड़बड़ाहट ना करें। एवं निरंतर खाद की आपूर्ति की जा रही है। आगामी दिवसों में भी जल्द ही खाद की रैक निरंतर लगने वाली है जिससे 50 प्रतिशत समितियां एवं 50 प्रतिशत गोदाम के माध्यम से किसानों को खाद का वितरण किया जाएगा। कलेक्टर ने यह निर्देश भी दिए कि किसानों को खाद वितरण के लिए बांटे जाने वाले टोकन में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था अथवा गड़बड़ी न हो यह सुनिश्चित किया जाए। यदि बिचौलिए सक्रिय हो तो उन पर भी सख्ती से नियंत्रण किया जाए।

किसानों को भुगतान करने करने में न हो कोई भी लापरवाही

मूंग उपार्जन के किसानों को भुगतान की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने शेष भुगतान के लिए किया जा रही आवश्यक कार्रवाईयों में विलंब के लिए नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए की वेयरहाउस स्तर से स्वीकृति पत्रक एवं डब्ल्यूएचआर जारी किए जाने की शेष कार्रवाई शीघ्र पूरी की जाए। उन्होंने सख्त निर्देश दिए कि भुगतान प्रक्रिया में किसी भी विभाग द्वारा लापरवाही ना बरती जाए अन्यथा संबंधित अधिकारी पर कठोर कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए की मूंग भुगतान से संबंधित समस्त कार्रवाई इसी सप्ताह पूरी कर ली जाए। बैठक के दौरान जानकारी दी गई कि मूंग भुगतान के अनुमानित 1790 करोड़ में से 1470 करोड़ रुपए का भुगतान किसानों को किया जा चुका है तथा 100 करोड़ रुपए का भुगतान बैंकों को भेजा गया है। शेष भुगतान में से लगभग 200 करोड़ के ईपीओ बनकर तैयार हो चुके हैं एवं बाकी की भुगतान राशि भी स्वीकृति पत्रक तैयार होने के पश्चात किसानों के बैंक खातों में पहुंचाने की कार्यवाही कर दी जाएगी। बैठक के दौरान अपर कलेक्टर राजीव रंजन पांडे, संयुक्त कलेक्टर विजय राय, जिला विपणन अधिकारी देवेंद्र यादव, सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।वही सभी एसडीएम एवं तहसीलदार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में ऑनलाइन जुड़े रहे।

आंदोलन की चेतावनी देकर लौटे किसान

नर्मदापुरम। भारतीय किसान संघ ने पीपल चौक में धरना प्रदर्शन किया।संघ के पदाधिकारियों को किसानों से जुड़ी समस्याओं के संबंध में कलेक्टर से संवाद करना था लेकिन संवाद नहीं हो सका। जिलाध्यक्ष ओमकार सिंह राजपूत ने बताया खाद, बिजली, फसल बीमा, सिंचाई व्यवस्था और खेतों तक पहुंच मार्ग जैसी प्रमुख समस्याओं को लेकर प्रशासन से संवाद करना था। किंतु कलेक्टर ने समय नहीं दिया। किसान लगभग डेढ़ घंटे तक कलेक्ट्रेट गेट पर रहे।इधर सिटी मजिस्ट्रेट बृजेंद्र रावत ने बताया नायब तहसीलदार और मैं स्वयं मौके पर मौजूद था पर कार्यकर्ता कलेक्टर को ही ज्ञापन देना चाहते थे। मुख्यालय पर नहीं होने का कारण कलेक्टर मेडम ज्ञापन नहीं ले पाईं। इससे बिना ज्ञापन दिए ही चले गए। हम किसानों की समस्या हल करेंगे। बता दे कि किसान संघ पदाधिकारियों ने आंदोलन की चेतावनी दी। इस दौरान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामभरोस बसोतिया, संभागीय अध्यक्ष नरेन्द्र दोगने, विनोद पाटिल, मनमोहन व्यास, मंत्री शंकरसिंह पटेल, सहमंत्री रजत दुबे सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तीन दिन बाद भी पुलिस गिरफ्त से दूर आरोपी

गंजबासौदा। विगत दिवस स्थानीय रेलवे स्टेशन पर हुई बाबा की हत्या के आरोपी तीन दिन बाद भी पुलिस की गिरफ्त से दूर है। हालांकि पुलिस के अनुसार हत्या की वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। वहीं सोमवार को जीआरपी डीएसपी राम स्नेह चौहान ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। मीडिया से चर्चा के दौरान जानकारी देते हुए बताया कि विगत दिवस स्टेशन पर बाबा की हत्या हुई थी जिसमें मृतक की शिनाख्त हो गई है बाबा का नाम मनोज विश्वकर्मा है गंजबासौदा का रहने वाला था लेकिन उसने बासौदा छोड़ दिया था। परिजनों को शव सुपुर्द कर दिया है। चौहान ने बताया कि घटना सीसी टीवी कैमरों में कैद हो गई है कैमरों में चार संदिग्ध भी दिख रहे हैं जिसमें कुछ संदिग्धों को पकड़कर पूछताछ की जा रही है आरोपियों की तलाश जारी है मामले का शीघ्र खुलासा करेंगे। जीआरपी थाना प्रभारी महेंद्र शाक्य ने सीसी टीवी में कैद हुई पूरी वारदात को बताया। चौहान ने मीडिया को बताया कि वारदात बड़ी निर्दयता के साथ की गई है मृतक के शरीर पर करीब एक दर्जन चाकू के घाव थे यह सामान्य वारदात नहीं है लेकिन पूरे मामले में खुलासा संदिग्धों के पकड़े जाने के बाद ही हो पायेगा।

एक्सीलेंस स्कूल जुमेरती में चल रही फिल्म की शूटिंग

नर्मदापुरम पहुंचे रविकिशन, उमड़े दर्शक

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

भोजपुरी एवं बॉलीवुड के अभिनेता सांसद रविकिशन आज फिल्म टीडीएस की शूटिंग के लिए नर्मदापुरम पहुंचे है। वे नर्मदापुरम जिले में एक फिल्म की शूटिंग कर रहे है। आज फिल्म शूटिंग एक्सीलेंस स्कूल जुमेरती में की जा रही है। बता दे कि पिछले दिनों भोजपुरी और बॉलीवुड के अभिनेता रविकिशन ने नर्मदापुरम में फिल्म और वेब सीरीज की शूटिंग लोकेशन देखी थी और इसमें हिस्सा भी लिया था हाल के वर्षों में रविकिशन वेब सीरीज टू ब्राइट की शूटिंग के लिए नर्मदापुरम के नजदीकी इछावर, सीहोर जिले में पहुंचे थे। नर्मदापुरम में कई बॉलीवुड फिल्मों और वेबसीरीज की शूटिंग हो चुकी है, जिससे क्षेत्र का फिल्म पर्यटन काफी बढ़ा है। महारानी वेबसीरीज की शूटिंग नर्मदापुरम के सर्किट हाउस और सेठानी घाट समेत अनेक जगहों पर हुई है। फिल्म द नर्मदा स्टोरी की शूटिंग भी हाल में यहां शुरू हुई थी वहीं आरक्षण, गंगाजल, राजनीति, एक विवाह ऐसा भी, टॉयलेट एक प्रेम कथा, निर्मल पाठक की घर वापसी जैसी फिल्मों की भी यहां शूटिंग हो चुकी है।

भारतीय हॉकी टीम के खिलाड़ी विवेक सागर एसपी से मिले

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

भारतीय हॉकी टीम के प्रमुख सदस्य और नर्मदापुरम जिले के निवासी विवेक सागर हाल ही में अपने गृह नगर इटारसी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने जिला मुख्यालय नर्मदापुरम में पुलिस अधीक्षक साई कृष्णा थोटा से मुलाकात की, जिन्होंने विवेक सागर का गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें उनकी हाल की उपलब्धियों के लिए बधाई दी। विवेक ने 29 अगस्त से 7 सितंबर तक बिहार के राजगीर में आयोजित एशिया हॉकी कप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए स्वर्णपदक हासिल किया है। विवेक सागर भारतीय हॉकी टीम के एक अहम खिलाड़ी हैं और पुलिस विभाग में डीएसपी के पद पर कार्यरत हैं। वे ओलंपिक पदक विजेता और अर्जुन अवार्डी भी हैं। उनकी हाल ही की सफलता ने जिले का नाम रोशन किया है। पुलिस अधीक्षक श्री थोटा ने विवेक सागर के समर्पण और खेल भावना की सराहना करते हुए कहा कि वे युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। विवेक सागर ने भी पुलिस अधीक्षक को धन्यवाद दिया।

कार्ड बांट कर समाज को किया निमंत्रित

सिरोंज। अग्रवाल समाज के आराध्य देव कलयुग के प्रथम महाराजा श्री राम के वंशज श्री कृष्ण समकालीन महादेव तथा माता महालक्ष्मी के विशेष कृपा पात्र महाराजा श्री अग्रसेन एकम् महोत्सव 5149 मनाने हेतु समाज संस्था श्री अग्रवाल तरुण मंडल ने कार्ड वितरण कर कार्यक्रम कि रूपरेखा समाज के सामने रखी। संस्था अध्यक्ष विकास गर्ग ने बताया कि संस्था लगभग 75 वर्षों से महाराज जी का जन्मोत्सव मनाती आ रही हैं इस बर्ष 22 सितंबर कों सुबह ब्रह्म वेला में प्रभात फेरी तत्पश्चात् महाराजा श्री अग्रसेन जी का वैदिक मंत्रों से पंडित प्रधुम जी शर्मा कि देखरेख में महाअभिषेक उसके बाद समाज द्वारा पूजन तथा पंडित भारतदीप जी मेहता अग्रसेन चरित्र का वाचन करेंगे। उसकी बाद सभी महाप्रसादी का आनंद लेंगे। दोपहर में सामाजिक विषयों पर चर्चा होगी। कार्ड वितरण में विकास गर्ग अर्पित मित्तल नितेंद्र गोयल अंकुर मित्तल सुदामा गर्ग अतुल गोयल सुलभ गर्ग राजू मंगल नितिन मंगल संजीव गर्ग, निकुंज मंगल हर्षित सिंहल, मोहित बंसल, हिमांशु गर्ग, यश गोयल आदि उपस्थित थे।

इटारसी पिपरिया एसडीएम का तबादला

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

राज्य शासन ने देर रात ढ्रस अधिकारियों के तबादला आदेश जारी किए हैं। तबादला आदेश सूची में नर्मदापुरम के इटारसी और पिपरिया एसडीएम का नाम भी शामिल है जारी आदेशानुसार

आईएएस एसडीएम इटारसी टी प्रतीक राव का तबादला अपर आयुक्त नगर पालिक निगम, ग्वालियर के पद पर किया गया है वही पिपरिया में एसडीएम की कमान संभाल रही आईएएस अधिकारी अनिशा श्रीवास्तव को भी ग्वालियर भेजा गया है सुश्री अनिशा श्रीवास्तव को कार्यकारी संचालक, मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम, क्षेत्रीय कार्यालय, ग्वालियर की कमान दी गई है।

दो महीने में तीसरी बार पुलिस बनकर की ठगी की वारदात

बुजुर्ग से सोने की चेन और अंगूठी लेकर भागे

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

पुलिस बनकर लोगों की ठगने की वारदातों पर लगाम नहीं लग पा रही। इस बार पुलिस ने देवपुर में रामजानकी मंदिर के 72 वर्षीय पुजारी को अपना निशाना बनाया। देवपुर में रहने वाले राधारमण शर्मा शनिवार को मोटर साइकिल से गांव से सिरोंज की तरफ आ रहे थे। आरोन रोड पर स्थित टोल नाका पार करने के बाद जब वे बायपास तरफ आए तो बाइक पर सवार दो युवकों ने उन्हें रोक लिया। इन युवकों ने खुद को पुलिस वाला बताकर राधारमण को अपने गले में पहनी सोने की चेन और हाथ में पहनी सोने की अंगूठी को निकालकर जेब में रखने की हिदायत दी। युवकों का कहना था कि लूटपाट की घटनाएं लगातार बढ़ रही है। इस कारण सावधानी रखना जरूरी है। इसी दौरान एक युवक ने उनके गले की चेन और अंगूठी उतारकर उसकी पुड़िया बांध कर उन्हें ही थमा दी। इसके बाद दोनों युवक वहां से चले गए। कुछ देर बाद जब राधारमण ने पुड़िया खोली को उसमें कंकड़ भरे हुए थे। अपने साथ हुई 2 लाख की ठगी की जानकारी लगने के बाद उन्होंने मामले की शिकायत सिरोंज थाने में की है।

पहले भी हो चुकी हैं ऐसी वारदात

पुलिस बनकर लोगों के साथ ठगी करने की क्षेत्र में ये तीसरी वारदात है। करीब दो महीने पहले आरोन-सिरोंज रोड पर अगरिया समुदाय की दम्पत्ति के साथ भी अज्ञात लोगों ने इसी तरह की ठगी कर पुड़ियां में कंकड़ थमा दिए थे। इसके बाद अगस्त के महीने में भी भोपाल रोड पर महामाई गेट के पास एक बुजुर्ग के साथ ऐसी वारदात हुई थी। जिसमें युवकों ने खुद को पुलिस के जवान बताकर बुजुर्ग की सोने की 4 तोला वजनी सोने की चेन ठग ली थी। इन घटनाओं के आरोपी अभी तक पुलिस की गिरफत से बाहर है।

बंद रास्ता खुलवाने केंद्रीय मंत्री से मिले विधायक

गंजबासौदा। क्षेत्रीय विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने सोमवार को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की और रेलवे की बाउंड्री के कारण वार्ड 1,2,3 का बंद हुए रास्ता को खुलवाने के लिए आवेदन दिया। विधायक ने केंद्रीय मंत्री शिवराज को बताया कि इन तीनों वार्डों में करीब 16 हजार नागरिक निवास करते हैं विगत वर्ष रेल्वे ने बाउंड्री बना कर रास्ता बंद कर दिया है जिसके कारण नागरिकों को लम्बा चक्कर लगाकर निकलना पड़ता है। और न ही वार्डों में एम्बुलेंस आ पाती है न ही कोई बड़ा वाहन आ पाता है जिसके कारण नागरिकों को बड़ी असुविधा होती है। विधायक रघुवंशी के आवेदन पर शिवराज बोले कि में स्वयं रेल मंत्री से पूरे मामले में चर्चा करूंगा।

आधा घंटे हुई तेज बारिश, आवागमन बाधित

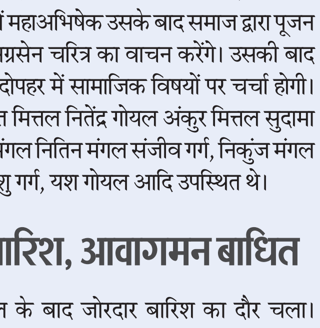

सिरोंज। एक सप्ताह के अंतराल के बाद जोरदार बारिश का दौर चला। शहरवासियों को इन दिनों तेज गर्मी और उमस से जूझना पड़ रहा है। कभी तेज धूप लोगो को परेशान करती है तो कभी आसमान पर छाए बादलों के कारण होने वाली उमस समस्या बन जाती है। मौसम के इस मिजाज की वजह से बीमारियों का प्रकोप भी शहर में तेजी से बढ़ रहा है। मौसम के इसी मिजाज के बीच सोमवार दोपहर में करीब आधा घंटे तक तेज बारिश का दौर चला। बारिश के कारण नयापुरा, बढ़ापुरा और कहारा बाजार इलाके की सड़कों पर पानी भर गया। जिससे कुछ देर तक आवागमन भी थम गया।

खर्रा घाट मिला शव, पड़ताल जारी

नर्मदापुरम। नर्मदा नदी में खर्रा घाट पर एक अज्ञात शव मिला है शव की पहचान नहीं हो सकी है मामले देहात थाना पुलिस जांच कर रही है एसआई गोरी शंकर ने बताया कि सोमवार को सूचना मिली थी कि एक शव खर्रा घाट के किनारे पड़ा हुआ है पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा बनाकर जांच शुरू कर दी है संभवतः शव नदी में बहकर आया है फिलहाल पुलिस मृतक की पहचान करने में जुटी हुई है। पुलिस के अनुसार मृतक की उम्र 30से 35वर्ष है। शव दो से तीन दिन पुराना है।

मेट्रो एंकर

झूठी शिकायत कर शिकायतकर्ता मोबाइल रिचार्ज करवाने और शराब के लिए पैसो की करते हैं मांग

मांगों को लेकर सचिवों और रोजगार सहायकों ने शुरू की हड़ताल

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

ग्राम पंचायतों में कार्यरत पंचायत सचिव और रोजगार सहायक सोमवार से अनिश्चितकालिन हड़ताल पर चले गए हैं। बड़ी संख्या में पंचायत सचिव और रोजगार सहायकों ने पहले नारेबाजी करते हुए जनपद पंचायत कार्यालय में और फिर विधायक उमाकांत शर्मा के निवास पर पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। जिसमें उन्होंने अपनी समस्याओं पर प्रकाश डालते हुए अनिश्चितकालिन हड़ताल पर जाने की जानकारी दी। ज्ञापन में संगठन ने बताया कि सभी सचिव और रोजगार सहायक सीएम हेल्पलाइन पर झूठी शिकायतों से परेशान हैं। इस वजह से आए दिन वरिष्ठ कार्यालय द्वारा सचिवों और रोजगार सहायकों का वेतन रोकने एवं वेतन काटने की कार्रवाई की जा रही है। जबकि अधिकांश ग्रामीणों द्वारा और कई बार शरारती तत्वों द्वारा झूठी शिकायत की जाती है। इसके बाद शिकायतकर्ताओं द्वारा कई बार मोबाइल रिचार्ज करवाने की बात कही जाती है तो शराब के लिए पैसों की मांग की जाती है।

ज्ञापन में संगठन ने बताया कि सीएम हेल्पलाइन पर जो शिकायत की जाती है। उनमें अधिकतर मांग आधारित झूठी शिकायतें होती हैं। इनमें प्रधानमंत्री आवास, ग्रेवल रोड निर्माण कार्य, सीसी निर्माण कार्य आदि शामिल हैं। इन्हें विलोपित नहीं किया जा सकता। जब शिकायत बंद नहीं होती है तो अधिकारी जबरदस्ती दबाव बनाते हुए कहते हैं कि हम कुछ नहीं जानते शिकायत तो बंद करवाना ही होगी। विदिशा जिले के अतिरिक्त अन्य जिलों में मांग आधारित शिकायतों को विलोपित किया जा रहा है लेकिन हमारे जिले में इन शिकायतों को लेकर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही। पंचायत सचिव और सहायक सचिव संगठन द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में 4 मांगों का उल्लेख किया गया है। इनमें झूठी एवं मांग आधारित सीएम हेल्पलाइन को विलोपित करने, अन्य विभागों के काम पंचायत सचिवों और रोजगार सहायकों ने नही करवाने, दूसरे जिलों की तरह विदिशा जिले में सहायक सचिवों का स्थानांतरण की व्यवस्था बनाने तथा वीसी में सचिवों और रोजगार सहायकों के बजाय शाखा प्रभारियों को बुलाने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने वालों में कृष्णकांत शर्मा, लेखराज यादव, महेन्द्र शर्मा, पवन जाटव, राजकुमार शर्मा, रामनगीना यादव, धर्मसिंह दांगी, मनोज शर्मा, मुकेश विश्वकर्मा आदि शामिल थे।

पंचायत सचिवों और रोजगार सहायकों के हड़ताल पर जाने से ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्य तो ठप्प होंगे ही ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान भी नहीं हो सकेगा। सचिवों द्वारा जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, समग्र आईडी और मनरेगा से जुड़े अनेक हितग्राहीमूलक कार्य किए जाते हैं। हड़ताल के कारण ये सभी कार्य फिलहाल बंद हो जाएंगे।

हमारे अभियंता अर्थ मूवर्सः नीतू

नर्मदापुरम। इंजीनियर्स अर्थ मूवर्स होते हैं। एक साधारण से स्थानों को अपनी इंजीनिरिंग की मदद से एक बेहतरीन लुक देकर उसे आकर्षक बनाने में हमारे इंजीनियर्स महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऊंची बिल्डिंग हो या इंटीरियर डिजाइन, सड़क हो या बड़े-बड़े बांध या फिर बड़े बड़े पुल, गगन चुंबी इमारतें हो जिनकी आम व्यक्ति कल्पना भी नहीं कर सकते हैं उन्हें वे अपनी इंजीनियर्स की मदद से साकार कर अचंभित देते हैं। यह उदगार सोमवार को नगरपालिका में प्रसिद्ध इंजीनियर सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती पर आयोजित इंजीनियर डे के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव द्वारा व्यक्त किए गए। श्रीमती यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में बने जम्मू कश्मीर के दुनिया के सबसे ऊंचे चिनाब रेल पुल और मुंबई के अंडर वाटर टनल इंजीनिरिंग के सबसे महत्वपूर्ण उदाहरण हैं। इस अवसर पर सभी इंजीनियर्स और निजी तौर पर कार्य रहे नगर के समस्त इंजीनियर्स को शुभकामनाएं दीं।

फूटा आक्रोश: खाद के लिए टोकन वितरण में जिम्मेदार कर रहे लापरवाही

किसानों ने तहसील का घेराव कर थाने के सामने किया चक्काजाम, की नारेबाजी

सिवनी/मालवा, दोपहर मेट्रो

किसानों को खाद नहीं मिलने के कारण किसान पिछ्ले 4 दिन से कृषि विभाग के सामने धरने पर बैठे थे। किसानों ने तहसील कार्यालय में जाकर घेराव कर दिया। इसके बाद किसानों को टोकन देने के नाम पर पुलिस अधिकारी और प्रशासन ने जैसे तैसे बमुश्किल 4 घंटे बाद तहसील कार्यालय से हटाया और किसान धरना स्थल पर आ गये। जहा वीरेंद्र मिश्रा एवं रघुवीर राजपूत ने किसानों का धरना समाप्त कराया। धरने पर बैठे किसानों को टोकन देने के लिए थाने में लाया गया। जहा तहसीलदार नितिनकुमार द्वारा खाद के टोकन किसानों को दिये जा रहे थे। यह खबर आग की तरह किसानों को लगी तब हजारों की संख्या में किसान थाने में आ गये। किसानों की भारी संख्या को देखकर पहली बार थाने का मुख्य दरवाजा बंद करना पड़ा। तब किसानों ने थाने के सामने चक्का जाम कर दिया।

किसान खाद के टोकन दिये जाने के लिए थाने के सामने उग्र हो गये। थाने में मौजूद प्रशासनिक अधिकारी कर्मचारी थाने में मौजूद किसानों को टोकन देकर सड़क पर हजारों किसानों की भीड़ को देखकर पीछे से निकल गये। थाने के सामने किसानों को हटाए जाने के लिए पुलिस और किसानों में झूमा झटकी तक हो गयी। बड़ी मुश्किल से किसान थाने के सामने से देर रात को हटे। थाने के अंदर खत्म हुआ अनशन और धरना बैठे लोगों ने नेताओं की समझाइस के बाद 4 दिनों से अनशन और धरने पर बैठे किसान जब थाने मे गये तब उनका अनशन और धरने खत्म करने की मध्यस्थता कराई।

सोसायटियों की हड़ताल से बढ़ी समस्या

सोसायटियों की हड़ताल से बढ़ी समस्या एसडीएम सरोजसिंह परिहार द्वारा 23 सोसायटियों को 831 मेट्रिक टन खाद वितरण के लिए प्रदान किया गया है। लेकिन सहकारी समितियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल की वजह से अधिकांश सोसायटीयो से किसानो को खाद का वितरण नही हो पाया है। सोसायटियों में गया खाद वही पर बंद है। जिससे किसानों को खाद नही मिला है। उधर किसानों का कहना है कि खाद की जो बोगिया आयी थी। उसका अधिकतर खाद बड़े और समृद्ध किसानों को ही मिला है। छोटे किसानों को खाद नही मिलने से किसान अभी भी उग्र बना हुआ है। पहली बार हुआ बंद थाने का मुख्य द्वारद्वद्व यह पहला मौका है जब पुलिस थाने का मुख्य द्वार पुलिस प्रशासन को बंद करना पड़ा। थाने के सामने खाद के लिए जमा हुए हजारों की संख्या में किसानों की उग्र भीड़ को देखकर पुलिस को थाने का मुख्य द्वार पहली बार बंद करना पड़ा। जो कभी आज तक नही हुआ वह किसानों का खाद के लिए जमा हुई उग्र भीड़ को देखकर आज पहली बार हुआ। जब थाने का मुख्य द्वार पहली बार बंद करना पड़ा। जो कभी नही होता है वह किसानों की उग्रता को देखकर पुलिस को आज पहली बार करना पड़ा।

एक कदम गांव की ओर अभियान प्रारंभ

तेंदूखेड़ा। नौजवान युवाओं को हक अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए जय आदिवासी युवा शक्ति जयस तेंदूखेड़ा द्वारा एक कदम गांव की ओर अभियान ग्राम मुलरा बांसी से प्रारंभ किया गया इस अभियान का उद्देश्य आदिवासियों के हक अधिकारों को दिलाने के लिए नौजवान युवाओं को संवैधानिक तरीके से लड़ाई लड़ने के लिए जागरूक करना है यह अभियान तेंदूखेड़ा ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले सभी ग्रामों में संचालित किया जाएगा जिसमें जय आदिवासी युवा शक्ति जयस के पदाधिकारी विभिन्न ग्रामों में बैठक कर विस्तारित जानकारी देंगे जय आदिवासी युवा शक्ति जयस के प्रदेश संगठन मंत्री श्रीकांत सिंह पोरते ने बताया कि आदिवासी युवाओं को संवैधानिक जानकारी न होने के कारण उनको विभिन्न प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है इसलिए जय आदिवासी युवा शक्ति जयस के तत्वाधान में एक कदम गांव की ओर अभियान प्रारंभ किया गया है। इस अवसर पर गिरधारी सिंह परस्ते जिला उपाध्यक्ष, गोलू पोर्ते महासचिव, साकेत मरकाम, राकेश मरकाम, गुलाब पंडा,हक्कू सींग, सतीश तेकाम, पंचम दिवार, राजाराम मुकद्दम, देव सींग,गुड्डा सींग,सुमेद सींग सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित थे।

बच्चों को योग के लिए कर रहे प्रेरित

तेंदूखेड़ा। आज के समय में जब बच्चों की दिनचर्या मोबाइल, टीवी और फास्ट फूड तक सीमित होती जा रही है, ऐसे में जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली कोडल ग्राम पंचायत के जागरूक युवा अमन राय, सजल साहू और मानक साहू एक नई सोच के साथ गांव के बच्चों को योग के प्रति जागरूक कर रहे हैं। योगाभ्यास के इस क्रम को इन युवाओं द्वारा मार्गदर्शन और अनुशासन के साथ नियमित रूप से संचालित किया जा रहा है। गांव के बच्चों में शारीरिक मेहनत की आदत तो पहले से रही है, लेकिन योग के माध्यम से उनमें एकाग्रता, आत्मविश्वास और अनुशासन जैसे गुणों का भी विकास हो रहा है। यह पहल केवल योग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह गाँव में स्वस्थ समाज के निर्माण की नींव रख रही है। आने वाले समय में ये बच्चे जब बड़े होंगे, तो योग के इस संस्कार के चलते वे नशे जैसी बुराइयों से दूर रहेंगे और अपने जीवन में सकारात्मक सोच अपनाएंगे। गाँव के युवाओं द्वारा संचालित यह योग अभियान आने वाली पीढ़ी के लिए एक अमूल्य उपहार है।

वैश्य महासम्मेलन की बैठक में चर्चा

तेन्दूखेड़ा। वैश्य महासम्मेलन की तहसील ईकाई तेन्दूखेड़ा की बैठक स्थानीय आचार्य श्री विद्यासागर दयोदय पशु सेवा केंद्र में सम्पन्न हुई,जिसमें मुख्य अतिथि सन्देश जैन प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष एवं सम्भागीय अध्यक्ष राकेश अग्रवाल जी के मार्गदर्शन में बैठक आयोजित हुई। जिसमें जिलाध्यक्ष के सी अग्रवाल जी एवं युवा जिला अध्यक्ष विकास अग्रवाल द्वारा वैश्य महासम्मेलन तेन्दूखेड़ा ईकाई के सदस्यों की सर्वसम्मति से युवा अध्यक्ष के रूप में चेतन जैन को निर्वाचित किया गया।साथ ही राजनीतिक प्रकोष्ट से लक्ष्मी नामदेव जी,रक्तदान प्रभारी आदित्यराज मोदी जी, तहसील मीडिया प्रभारी के दायित्व पर शुभम जैन की नियुक्ति हुई है,इस अवसर पर वैश्य महासम्मेलन तेन्दूखेड़ा ईकाई के अध्यक्ष विवेक चौधरी ,गौशाला अध्यक्ष संजय जैन पारसमणि ,दयाचंद जैन ,कैलाशचंद जैन ,अजित जैन ,संदीप जैन सहित सभी वैश्य महासम्मेलन के सदस्यों ने शुभकामनाएं देकर आगामी कार्यक्रमो में सुनियोजित रूप से कार्य करने की बात कही।

किसानों को प्रशिक्षण एवं वर्मी वैड वितरण

तेंदूखेड़ा। ब्लॉक के ग्राम इमलीडोल, हाथीडोल, जरुआ, खकरिया खुर्द, खकरिया रैयत एवं हुलासपुरा के किसानों को प्राकृतिक जैविक खेती पर प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही 100 किसानों को बर्मी वैड भी साथ में वितरण किये गये। यह कार्यक्रम ग्रामीण विकास समिति द्वारा यूएनडीपी एसजीपी टेरी के सहयोग से आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का संचालन सहायक कृषि विस्तार अधिकारी सुश्री प्रिया तिवारी ने किया। इस अवसर पर तहसीलदार विवेक व्यास उपस्थित रहे, जिन्होंने किसानों को संबोधित करते हुए प्राकृतिक खेती के महत्व और टिकाऊ कृषि तकनीकों को अपनाने पर बल दिया। प्रशिक्षण एवं वितरण कार्यक्रम में 50 प्रतिशत महिला किसानों की सक्रिय भागीदारी रही। किसानों ने रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम कर प्राकृतिक खेती की तकनीकों को अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में आरके सेन रिटायर्ड एसडीओपी, संस्था डायरेक्टर गोविन्द यादव, कार्यक्रम संगठक धरमदास पाल, ज्योति राव, ज्योति रैकवार, सुषमा यादव, राजेश सिंह संतोष सिंह, नीरज यादव उपस्थित रहे।

शिक्षकों ने सौंपा ज्ञापन, बोले- हमारी नौकरी बचा लो...

नरसिंहपुर। मध्यप्रदेश शिक्षक संघ ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा है। यह ज्ञापन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम दिया गया है। ज्ञापन तैयार करने वाले अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक संघ द्वारा ज्ञापन में उच्चतम न्यायालय के 1 सितंबर के निर्णय का जिक्र किया गया है। इस निर्णय में सभी सेवारत शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा को अनिवार्य किया गया है। शिक्षक संघ का कहना है कि इस फैसले से देशभर में लाखों शिक्षकों की नौकरी खतरे में आ गई है। शिक्षकों ने प्रधानमंत्री से तुरंत हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि सेवा सुरक्षा से जुड़े मुद्दों का समाधान जल्द किया जाए। शिक्षकों ने कलेक्टर से अनुरोध किया है कि वे यह ज्ञापन प्रधानमंत्री कार्यालय तक पहुंचाएं। ज्ञापन देते समय जिले के कई शिक्षकों ने अपनी चिंता जाहिर की। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार उनकी समस्याओं पर विचार करेगी और राहत देगी।

बेखौफ चल रहा अवैध शराब कारोबार, जिम्मेदार मौन

खरगोन, दोपहर मेट्रो

जिले के कसरावद क्षेत्र में शराब माफियाओं के हौसले बढ़ते जा रहे हैं। ढाबों, किराना दुकानों और नर्मदा किनारे बसे गांवों तक अवैध शराब आसानी से पहुंचाई जा रही है। मोटरसाइकिल और फोर-व्हीलर का इस्तेमाल कर शराब का खुला परिवहन किया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की गतिविधियों से गांवों की नई पीढ़ी शराब की चपेट में आ रही है। इससे अपराध और झगड़े बढ़ रहे हैं। महिलाएं भी असुरक्षित महसूस कर रही हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से सख्त कदम उठाने की मांग की है।

ग्रामीणों का आरोप है कि आबकारी विभाग और पुलिस इस मामले पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे रहे हैं। केवल छोटे दुकानदारों पर कार्रवाई की जाती है, जबकि बड़े कारोबारियों पर कोई कदम नहीं उठता। लोगों का कहना है कि लंबे समय से यह अवैध कारोबार चल रहा है और अब इसे रोकने की जरूरत है।

आबकारी विभाग ने कहा है कि वे इस मामले की जांच करेंगे और यदि शिकायतें सही पाई जाती हैं तो संबंधितों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने आश्वासन दिया कि अवैध शराब के खिलाफ सख्ती से कदम उठाए जाएंगे और कानून के तहत कार्रवाई होगी। कसरावद क्षेत्र में अवैध शराब का कारोबार कोई नई बात नहीं है। लंबे समय से यह धंधा चल रहा है और अब ग्रामीणों की नजरें प्रशासन पर टिकी हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर सख्त कदम नहीं उठाए गए तो इस अवैध कारोबार का प्रभाव और बढ़ेगा और नई पीढ़ी पर नकारात्मक असर पड़ेगा। कसरावद में शराब माफियाओं का खुला कारोबार, ग्रामीणों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था दोनों के लिए चुनौती बना हुआ है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन कितनी गंभीरता से इस मुद्दे को उठाता है और अवैध कारोबार पर रोक लगाता है।

बैंक में तालाबंदी कर किया प्रदर्शन

बालाघाट, दोपहर मेट्रो

जिले की 126 सहकारी समितियों के कर्मचारियों ने अपनी तीन सूत्री मांगों को लेकर प्रदर्शन को और तेज कर दिया है। इन्होंने सहकारी बैंक में तालाबंदी कर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कर्मचारियों ने बैंक प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी भी की। कर्मचारियों ने पदोन्नति और वेतन वृद्धि की मांग को लेकर प्रदेश अध्यक्ष बी.एस. चौहान की अगुआई में एक आक्रोश रैली निकाली। रैली जयस्तंभ चौक से शुरू होकर आदिवासी नृत्य के साथ सहकारी केंद्रीय बैंक पहुंची।

प्रदेश अध्यक्ष बी.एस. चौहान ने जिला पदाधिकारियों के साथ बैंक महाप्रबंधक पी. जोशी से मुलाकात कर उन्हें एक ज्ञापन सौंपा। चौहान ने कहा कि जिला बैंकों में आदेश के बावजूद 60 प्रतिशत कर्मचारियों का चयन नहीं किया गया है, जिसे तुरंत पूरा किया जाए। उन्होंने यह भी बताया कि महाप्रबंधक ने अक्टूबर 2023 से प्रति विक्रेता को मिलने वाला भुगतान और बढ़ा हुआ वेतन कर्मचारियों को देने का आश्वासन दिया है।

उज्जैन में पकड़ाई लुटेरी दुल्हन

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के कई जिलों में इन दोनों लुटेरी दुल्हन गैंग सक्रिय है। यह गैंग शादी के नाम पर लोगों को ठग रही है। हाल ही में उज्जैन पुलिस ने इसी तरह की एक गैंग को पकड़ा है। जिसने बड़े पैमाने पर मध्यप्रदेश में जाल फैला रखा था। इस गिरोह की सरगना कृतिका जैन (28) को उसकी बहन आयना जैन (22), चाची पुष्पा जैन (55) और तीन अन्य दलालों के साथ गिरफ्तार किया गया।

जैसे ही यह गैंग उज्जैन पुलिस की गिरफ्त में आया है, अब पीड़ित भी सामने आने लगे हैं, जिनमें दमोह, जबलपुर और शाजापुर के लोग शामिल हैं। इन्हीं में से एक कहानी दमोह के रहने वाले मूलचंद जैन की है, जिनके बेटे के लिए इस गैंग ने रिश्ता तय किया और लाखों की चपत लगा दी। मूलचंद जैन ने उज्जैन और दमोह पुलिस को शिकायत दी कि इस गैंग ने उनके बेटे ऋषभ जैन को शादी का झांसा देकर 6 लाख रुपए और सोने के गहनों की ठगी की।

जून 2025 में मूलचंद की मुलाकात दमोह के ही रहने प्रकाश पटेल से हुई। उसने कहा आप लड़के के लिए बहू देख रहे हैं, मेरे जानकार हैं, जबलपुर में मुन्ना चौहान और राधा ठाकुर। उनकी नजर में ऋषभ के लिए एक लड़की है। जबलपुर में रहती है, नाम है कृतिका जैन लगे हाथ प्रकाश ने लड़की की फोटो और आधार कार्ड भी दिखा दिया। इस तरह यह लुटेरी दुल्हन गैंग लोगों को अपना शिकार बना रही थी जिसे पुलिस ने पकड़ लिया है। अब इसके प्रदेश के कई जिला से पीड़ित लोग सामने आ रहे हैं।

कूनो नेशनल पार्क में मादा चीता का मिला शव

श्योपुर, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित कूनो नेशनल पार्क से दुखद खबर सामने आई है। ज्वाला की शावक 20 महीने की मादा चीता की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि, शिकार के दौरान वो घायल हो गई थी। जख्म गहरे लगने के चलते उसने दम तोड़ दिया। दरअसल, कूनों के अधिकारियों ने मादा चीता को मृत अवस्था में ही बरामद किया, जिसके चलते विभाग में हड़कंप मच गया। हालांकि, बाद में शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। कूनो के अधिकारियों का कहना है कि, पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आने के बाद ही मौत के असली कारणों का खुलासा हो पाएगा।

मेट्रो एंकर पहले अनाज अनुपात में किया गया था बदलाव

तीन साल बाद राशन का कोटा बहाल मिलेगा 3 किलो गेहूं, 2 किलो चावल

छिंदवाड़ा, दोपहर मेट्रो

सर्वाधिक गेहूं का उपभोग करने वाले इस जिले में तीन साल बाद राशन का कोटा बहाल किया गया है। अब प्रत्येक हितग्राही को 3 किलो गेहूं और 2 किलो चावल मिलेगा। रुस-यूक्रेन युद्ध के समय अनाज अनुपात में बदलाव किया गया था। उसमें जिले के उपभोक्ताओं को चार किलो चावल और एक किलो दिया जा रहा था।

छिंदवाड़ा जिले की राशन दुकानों में प्राथमिक श्रेणी के 3.07 लाख परिवार रियायती अनाज के पात्र हैं। तीन साल पहले वर्ष 2022 के फरवरी माह से पहले इन परिवारों के प्रत्येक सदस्य को चार किलो गेहूं और एक किलो चावल का वितरण किया जाता था। इस दौरान रुस यूक्रेन युद्ध शुरू हो जाने से मार्च-अप्रैल में देश भर से विदेशों में गेहूं का निर्यात शुरू किया गया। इससे गेहूं का भाव बढ़ जाने से सरकारी कोटा में खरीदी कम रही। तब से राज्य शासन ने छिंदवाड़ा जिले में वितरित होने वाले अनाज के अनुपात को बदल दिया था। परिवार के एक सदस्य को एक किलो गेहूं और चार किलो चावल दिया जाने लगा। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना का निशुल्क पांच किलो चावल अतिरिक्त दिया गया। इसके लिए हजारों बार शिकायत की। विभाग ने अनुपात बदलने के प्रयास किए लेकिन सरकार ने उसे नहीं बदला।

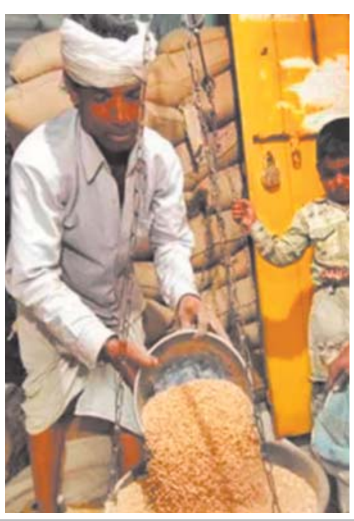

रकबा 3 लाख हैक्टेयर, इसलिए खपत भी ज्यादा

रबी सीजन में जिले में कुल 4 लाख हैक्टेयर के रकबे में तीन लाख हैक्टेयर में गेहूं की बोवनी होती है। इसकी उत्पादकता प्रति हैक्टेयर 43 क्विंटल है। इस उत्पादन के चलते ही छिंदवाड़ा में गेहूं का उपभोग सर्वाधिक है।

आपत्तिजनक परिधानों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने की मांग, सौंपा ज्ञापन

छिंदवाड़ा, दोपहर मेट्रो

नवरात्रि पर्व की तैयारी शुरू हो गई है इसी बीच मां की नृत्य आराधना के लिए भी तैयारी शुरू हो गई है। छिंदवाड़ा जिले में गरबा आयोजन को लेकर सनातनी मित्र मंडल ने जिला प्रशासन से धार्मिक भावना का सम्मान करते हुए गरिमा और अनुशासन के साथ कार्यक्रम कराने की मांग की है। मंडल के सदस्य कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा। अनुज राजपूत ने कहा कि गरबा स्थल पर प्रवेश से पहले टीका लगाना अनिवार्य किया जाए। साथ ही भगवान की वेशभूषा पहनकर नृत्य करने पर रोक लगाई जाए। मंडल ने छोटी स्कर्ट, हाफ स्लीव्स तथा अन्य असंयमित परिधानों के उपयोग पर भी प्रतिबंध लगाने की अपील की है ताकि पर्व के दौरान धार्मिक वातावरण बना रहे और सनातनी संस्कृति का सम्मान हो।

अतुल चौरसिया ने कहा कि गरबा आयोजन हमारी परंपरा और आस्था से जुड़ा है, इसलिए इसका संचालन मर्यादा और अनुशासन के साथ होना चाहिए। जिला प्रशासन से अनुरोध किया गया है कि उपरोक्त बिंदुओं का पालन सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाएं।

एशिया कप : हैंडशेक कंट्रोवर्सी पर सुनाई खरी-खरी

पीसीबी की शिकायत पर बीसीसीआई की दो टूक, उनको जो करना है करें

नई दिल्ली , एजेंसी

भारत-पाकिस्तान के बीच एशिया कप मुकाबले के बाद हाथ ना मिलाना सबसे चर्चित कीवर्ड और ट्रेंडिंग हैशटैग रहा। चूंकि भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस के समय सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया। वहीं मैच खत्म होने के बाद भी कैप्टन सूर्या-शिवम दुबे संग पूरी पाकिस्तानी टीम को इग्नोर कर आगे बढ़ गए। पूरी पाकिस्तानी टीम मुंह ताकती रह गई।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने हैंडशेक कंट्रोवर्सी मामले को आईआईसी के सामने उठाया है। लेकिन अब इसे पूरे मसले पर बीसीसीआई का बयान भी आया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इस मामले आईसीसी के सामने उठाने की बात कही है। पीसीबी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल को शिकायत दी है। ढउइ चीफ मोहसिन नकवी का एक्स पोस्ट वायरल है। पीसीबी का कहना है कि मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट ने आईसीसी के कोड ऑफ कंडक्ट आचार संहिता और एमसीसी के स्पिरिट ऑफ क्रिकेट का उल्लंघन किया है। पीसीबी ने मांग की है कि इस मैच रेफरी को तुरंत एशिया कप से हटा दिया जाए। वहीं भारतीय टीम की इस मामले में एशियन क्रिकेट काउंसिल से शिकायत की बात की गई है। दरअसल, यह हैंडशेक कंट्रोवर्सी 14 सितंबर को तब शुरू हुई, जब दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में टॉस के दौरान पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा से भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने हाथ नहीं म?लाया। और मैच खत्म होने के बाद भी कोई हैंडशेक नहीं हुआ।

बीसीसीआई ने इरादे कर दिए जाहिर

अब इस मामले में बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया से पूछा गया कुछ खबरों में बताया गया है कि एसीसी एशियन क्रिकेट काउंसिल ने बीसीसीआई से संपर्क किया है, क्या ये खबरें सच हैं। सैकिया ने कहा- मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। जो होना था हो गया है। अब हमारा फोकस टूर्नामेंट पर है। वहीं सैकिया से पूछा गया कि पीसीबी ने इस मामले को आईसीसी के के सामने उठाया है, और भारत के हाथ ना मिलाने का मुद्दा भी इसमें शामिल है। वहीं एसीसी से शिकायत की गई है। इस पर उन्होंने कहा- उनको जो करना हैं करे, हमें आगे के मैच खेलने हैं। मुझे इस मामले में कुछ नहीं कहना है। यानी एक बात तो साफ है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड भारत से हारकर और हैंडशेक कंट्रोवर्सी को इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के समक्ष लेकर मुद्दा बनाना चाह रहा है, पर फिलहाल वो बैकफुट पर ही है। बीसीसीआई के दो टूक बयान ने इस बात को और स्पष्ट कर दिया है।

सूर्या ने भी बताया पाक खिलाड़ियों से हाथ क्यों नहीं मिलाया

14 अक्टूबर को एशिया कप में 7 विकेट से पाकिस्तान के खिलाफ मिली जीत के बाद भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाक खिलाड़ियों से हाथ ना मिलाने की वजह भी बताई। उन्होंने कहा- हमने यह फैसला लिया क्योंकि हम यहां सिर्फ क्रिकेट खेलने आए हम बीसीसीआई और सरकार के साथ एकजुट हैं, कुछ बातें खेल भावना से ऊपर होती हैं, हम पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए सभी पीड़ितों के साथ खड़े हैं। इसे उन बहादुर सशस्त्र बलों को भी समर्पित करते हैं, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में हिस्सा लिया था। उन्होंने कहा कि इस कदम का मकसद पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए 26 लोगों के परिवारों के साथ एकजुटता दिखाना था। इस हमले में पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों ने निर्दोष लोगों को गोली मार दी थी।

कभी मैदान छोड़कर चली गई थी पूरी टीम

दुबई। एशिया कप 2025 में भारतीय टीम ने रविवार को चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान पर सात विकेट से जीत हासिल की थी। यह मुकाबला सूर्यकुमार यादव की अगुवाई में भारतीय टीम ने आसानी से जीता, लेकिन मैच से पहले और बाद में जो विवाद हुआ उसने खूब सुर्खियां बटोरी। भारतीय खिलाड़ियों ने मैच के बाद पाकिस्तानी प्लेयर्स से हाथ नहीं मिलाया और ड्रेसिंग रूम में चल गए। पीसीबी ने मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट के खिलाफ भी आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई। पीसीबी ने आरोप लगाया कि मैच रेफरी ने ही टॉस के समय दोनों टीमों के कप्तानों को हाथ मिलाने से मना किया था। जब पाकिस्तानी टीम दोबारा मैदान पर आई ही नहीं पाकिस्तान अभी खेल भावना की बात कर रहा है, लेकिन यह वही टीम है जिसका अतीत क्रिकेट इतिहास की विवादित घटनाओं से भरा पड़ा है।

मैच से ज्यादा हैंड शेक के चर्चे या हैंड शेक पर इतना बवाल क्यों?

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

एशिया कप 2025 की बहुचर्चित भिड़ंत यानी भारत-पाक मुकाबला एक बार फिर एकतरफा हुआ। भले ही पिछले 10 सालों से इन टीमों के बीच होने वाले किसी भी मैच को महामुकाबला/हाइवोल्टेज जंग कहा जाता है, लेकिन मेरे नजरिये में इनके बीच होने वाली भिड़ंत दोनों देशों के खेलप्रेमियों व देशप्रेमियों की भावनाओं की जंग ही रही है। दरअसल जिस अंदाज में टीम इंडिया ने व्हाईट बॉल क्रिकेट में पाकिस्तान को लगातार धूल चटाई है उसके बाद इन दोनों के बीच होने वाले किसी भी मैच को महामुकाबला बोलना अनिश्चितताओं वाले क्रिकेट खेल के साथ बेमानी है। यह बात सच है कि भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही एशिया कप क्रिकेट में दोनों टीमों के बीच होने वाली भिड़ंत सुर्खियों में चल रही थी, लेकिन अगर सरकारों ने क्रिकेट के मैदान पर खिलाड़ियों को खेलने का फैसला किया है तो फिर बात सिर्फ क्रिकेट तक सीमित हो जाना चाहिए। खैर यह सब बातें तो खेल के मैदान से हटकर हमेशा से होती आयी हैं और यह सिलसिला आने वाले समय में भी चर्चाओं में बना रहेगा। अब अगर हम इन सभी बातों को दरकिनार कर एशिया कप क्रिकेट के दुबई में खेले गये पहले बहुचर्चित मुकाबले की करें तो फिर हमेशा की तरह एक बार टीम इंडिया ने पाकिस्तान टीम की बखिया उधेड़ कर रख दी है। पूरे मैच में अगर पाकिस्तान टीम ने कोई जीत हासिल की है ,वह मात्र टॉस का सिक्का ही रहा है। सही मायने में मैच के किसी भी पहलू फिर चाहे वह बल्लेबाजी हो या गेंदबाजी सभी में पाकिस्तान टीम भारतीय टीम के ईर्दगिर्द भी नजर नहीं आयी है। भारतीय टीम ने दुबई के मैदान में मौजूदा चैंपियनशिप के लिए हुई पहली भिड़ंत में तो पाकिस्तान टीम को करारी शिकस्त दी ही है लेकिन टॉस के बाद और मैच खत्म होने के बाद कप्तान व टीम ने जिस बात से खेलप्रेमियों का दिल जीता है वह पूरे क्रिकेट जगत में अब चर्चाओं का केन्द्र बिंदु गया है। दरअसल टीम इंडिया के खिलाफ 7 विकेट से बुरी तरह मैच हारने के बाद पाकिस्तान के खिलाड़ी लाइन लगाकर टीम इंडिया से हाथ मिलाने के लिए खड़े थे, लेकिन टीम इंडिया के कप्तान व खिलाड़ियों ने पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ित परिवारों के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त करने के लिए पाकिस्तान के क्रिकेटरों से हाथ नहीं मिलाया। वैसे तो टॉस हारने के बाद सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तान के कप्तान से शेक हैंड नहीं करते हुए आगाज में ही टीम इंडिया का मैच के प्रति टीम का रुख दिखा दिया था, लेकिन जब मैच जीतने के बाद भी यही रवैया कायम रहा तो पाकिस्तान बौखला गया। अब वह खेलभावना की दुहाई देकर पाकिस्तानी प्रशंसकों से इस मामले में सांत्वना व उनके सपोर्ट से हार के जख्म पर मरहम लगाने की उम्मीद कर रहा है।लेकिन सच तो यह है कि खेल भावना की दरकार मैदान की सीमा रेखा के अंदर रखी जाती है,वहीं फिर मैदान के बाहर खेल से हट कर खिलाड़ियों व टीमों के बीच आपसी तालमेल और दोस्ती इस की वजह आपसी भाईचारा कही जा सकती है।मौजूदा हालात में जिसकी आस पाकिस्तान टीम को कतई नहीं रखना चाहिए थी। अब यह बात वाकई समझ से परे है कि हैंड शेक पर फिर इतना रोना धोना क्यों...? असल बात तो यह है मैदान के अंदर मिली करारी शिकस्त और उसके बाद टीम इंडिया की यह मानसिक चोट जिसका दर्द पाकिस्तान टीम के खिलाड़ियों ओर उनके चाहने वालों के लिए असहनीय नजर आ रहा है।मतलब साफ है कि टीम इंडिया के खिलाड़ियों ने पाकिस्तान टीम पर मौजूदा एशिया कप में एक तीर से कई निशाने लगा दिये हैं। अब देखना यह दिलचस्प रहेगा कि मैदान के अंदर लगातार मुँहकी खाने वाली पाकिस्तान टीम आने वाले मैचों में अपनी लाज बचाने के लिए कौन सा दांव खेलती है,क्योंकि टीम इंडिया से पहले मैच में लगी चोट ने दोनों ही मोर्चों पर (मैदान के अंदर व बाहर) उसको हाल फिलहाल में जमींदोज कर दिया है।

16 सितंबर को जन्मे खेल जगत के दो सितारे जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनाई पहचान

नई दिल्ली। भारतीय खेल जगत के लिए 16 सितंबर का दिन बेहद खास है। इसी दिन दो ऐसी शख्सियत का जन्म हुआ, जिन्होंने खेल जगत में भारत का नाम रोशन किया। इनमें एक महिला वेटलिफ्टर हैं, तो दूसरे क्रिकेट अंपायर। आइए, इनके बारे में जानते हैं।

गीता रानी : 16 सितंबर 1981 को संगरूर में जन्मीं गीता रानी भारत की मशहूर वेटलिफ्टर हैं, जिन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों सहित कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया। उन्होंने भारतीय वेटलिफ्टिंग को एक नई पहचान दिलाई है। जब गीता रानी महज 13 साल की थीं, तो उन्होंने सुरिंदर सिंह से कोचिंग लेनी शुरू की।

गीता रानी ने साल 2003 में एफ्रो-एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया, जिसका आयोजन हैदराबाद में हुआ था। इसके बाद उन्होंने साल 2004 में एशियन चैंपियनशिप में अपनी चमक बिखेरी। उन्होंने इस चैंपियनशिप में तीन सिल्वर अपने नाम किए।

आर. रामचंद्र राव

आर. रामचंद्र राव भारत के जाने-माने क्रिकेट अंपायर थे। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में अपनी निष्पक्षता और सटीक निर्णयों से पहचान बनाई। 16 सितंबर 1931 को जन्मे रामचंद्र राव ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में अंपायरिंग की शुरुआत रणजी ट्रॉफी के साथ की। उन्होंने 1975 में उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के बीच हुए क्रिकेट मैच में डेब्यू किया। यह मुकाबला अलीगढ़ में खेला गया था। इसके बाद रामचंद्र राव ने 20 प्रथम श्रेणी मुकाबलों में अंपायरिंग की। मार्च 1987 में रामचंद्र राव भारत-पाकिस्तान के बीच ऐतिहासिक मुकाबले में बतौर अंपायर खड़े थे। यह मैच अहमदाबाद में खेला गया था। 11 जून 2017 को 85 साल की उम्र में रामचंद्र राव ने दुनिया को अलविदा कह दिया।

कैप्टन रजत पाटीदार का जलवा

अब दलीप ट्रॉफी पर कब्जा 11 साल बाद सेंट्रल जोन ने जीता बड़ा खिताब

पहले आईपीएल में बेंगलुरू को बनाया चैंपियन

बेंगलुरु। सेंट्रल जोन ने बेंगलुरु में साउथ जोन को 6 विकेट से मात दी और 11 साल बाद दलीप ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। कुल मिलाकर रजत पाटीदार के लिए यह साल यादगार रहा है। उन्होंने पहले इसी साल आरसीबी को आईपीएल ट्रॉफी जितवाई और अब अपनी कप्तानी का दमखम दलीप ट्रॉफी में दिखाया। 65 रनों के मामूली लक्ष्य का पीछा करते हुए सेंट्रल जोन के टॉप ऑर्डर बल्लेबाजों को बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के मैदान पर 5वें दिन की टूटती हुई पिच पर साउथ के गेंदबाजों ने परखा, लेकिन लक्ष्य बहुत बड़ा नहीं था। अक्षय वाडकर (19 नाबाद, 52 गेंद) और पहली पारी में शतक लगाने वाले यश राठौड़ (13 नाबाद, 16 गेंद) क्रीज पर थे, जब सेंट्रल ने 20।3 ओवरों में 4 विकेट खोकर 66 रन बनाते हुए दलीप ट्रॉफी में अपना 7वां खिताब हासिल किया।

हालांकि, साउथ टीम अपने दूसरी पारी (426 रन) के जुझारू खेल और अंतिम पारी में गेंदबाजी से कुछ सुकून ले सकती है, क्योंकि उन्होंने सेंट्रल की जीत में देरी जरूर की। बाएं हाथ के स्पिनर अंकित शर्मा ने दानिश मालेवर (5) को आउट किया, जब उनकी गेंद तेजी से स्पिन हुई और बल्ले का किनारा लेते हुए विकेटकीपर मोहम्मद अजहरुद्दीन के हाथों में चली गई।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

रिलीज डेट के साथ जटाधरा का मोशन पोस्टर जारी, 7 नवंबर को होगी रिलीज

मुंबई। अभिनेता सुधीर बाबू और अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा की अपकमिंग फिल्म जटाधरा सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। मेकर्स ने सोमवार को सोशल मीडिया पर इसके मोशन पोस्टर के साथ रिलीज डेट की घोषणा की है। मेकर्स ने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का मोशन पोस्ट जारी कर कैप्शन में लिखा, अंधकार की गहराई से भगवान प्रकट होते हैं, जटाधारा सिनेमाघरों में 7 नवम्बर को तेलुगु और हिंदी में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पोस्टर में दैवीय मंत्रों की गूंज, ब्रह्मांडीय दृश्य, और सुधीर बाबू, सोनाक्षी सिन्हा, दिव्या खोसला, शिल्पा शिरोडकर, इंदिरा कृष्णा, रवि प्रकाश, नवीन नेनी, रोहित पाठक, झांसी, राजीव कनकाला, और सुभलेखा सुधाकर जैसे सितारों की मौजूदगी इस फिल्म को एक अविस्मरणीय अनुभव बनाती है। हर फ्रेम में भव्यता, शक्ति और भावनाओं का समावेश है। जी स्टूडियोज के मुख्य व्यवसाय अधिकारी उमेश कुमार बंसल का कहना है कि जटाधरा एक ऐसा अनुभव है जो कहानी को भव्य सीन के जरिए एक नया आयाम देगा। उन्होंने कहा, जटाधरा केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि एक अनुभव है जो कहानी, सीन और भव्यता को नए आयाम देता है। जी एंटरटेनमेंट, सुधीर बाबू, सोनाक्षी सिन्हा और पूरी टीम के साथ मिलकर हम दर्शकों को एक नई दुनिया में ले जाएंगे।

मेट्रो बाजार

इस वर्ष अगस्त में थोक मंहगाई दर बढ़कर 0.52 प्रतिशत हुई

नई दिल्ली । वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत की थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित महंगाई दर अगस्त में बढ़कर 0.52 प्रतिशत हो गई, जिसका मुख्य कारण खाद्य उत्पादों और विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि रहा। केंद्र सरकार ने प्रेस रिलीज में कहा, ÷अगस्त 2025 में मुद्रास्फीति की सकारात्मक दर मुख्य रूप से खाद्य उत्पादों, अन्य मैन्युफैक्चरिंग, गैर-खाद्य वस्तुओं, अन्य अधात्विक खनिज उत्पादोंऔर अन्य परिवहन उपकरणों आदि की कीमतों में वृद्धि के कारण है।÷ आंकड़ों के अनुसार, अगस्त के दौरान पेट्रोल, डीजल और प्राकृतिक गैस जैसे ईंधनों की कीमतों में गिरावट जारी रही, जिससे ईंधन मुद्रास्फीति घटकर नकारात्मक क्षेत्र में -3.17 प्रतिशत रह गई। अगस्त में थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति में मासिक आधार पर बदलाव 0.52 प्रतिशत रहा, जबकि इससे पहले जुलाई में थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में इस वर्ष दो वर्ष के निचले स्तर (-) 0.58 प्रतिशत पर आ गई थी, जिसका मुख्य कारण खाद्य पदार्थों की कीमतों का कम होना था। इस बीच, सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा बीते शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित देश की मुद्रास्फीति दर अगस्त में बढ़कर 2.07 प्रतिशत हो गई।

मिस वर्ल्ड से हेल्थ वर्ल्ड तक

मानुषी छिल्लर ने मुंबई में लॉन्च किया सोमा वेलनेस

मिस वर्ल्ड और अभिनेत्री मानुषी छिल्लर ने हेल्थ-केयर के क्षेत्र में एंटरप्रेन्योरशिप की घोषणा करते हुए, मुंबई में सोमा वेलनेस नाम की एक उन्नत रीजनरेटिव मेडिसिन और वेलनेस सेंटर की स्थापना की है। इस पहल को उन्होंने अपने पिता और प्रख्यात चिकित्सक डॉ. मित्रा बसु छिल्लर के साथ मिलकर शुरू किया है, जो इस क्लिनिक के मेडिकल डायरेक्टर की भूमिका निभा रहे हैं।

चिकित्सा की पढ़ाई में मजबूत अकैडमी बैकग्राउंड और स्वास्थ्य सेवा के प्रति गहरी रुचि रखने वाली मानुषी, डॉक्टर बनने की राह पर थीं जब उन्होंने मिस वर्ल्ड का खिताब जीता। अब उनका का लक्ष्य ग्लोबल मेडिकल विशेषज्ञता को भारतीय स्वास्थ्य सेवा आवश्यकताओं के साथ जोड़ना है। सोमा वेलनेस भारत में वैज्ञानिक प्रमाणित रीजनरेटिव मेडिसिन उपचार पेश करता है जो पहले केवल संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोप और मिडिल ईस्ट के प्रमुख केंद्रों में ही उपलब्ध थे। सोमा वेलनेस का उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति के लिए व्यक्तिगत, अंतरराष्ट्रीय स्तर की उपचार प्रणाली प्रदान करना है, इसका फोकस केवल लक्षणों के प्रबंधन तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे कहीं आगे जाकर लंबे समय तक स्वास्थ्य लाभ देने पर आधारित है, जिसमें शामिल हैं- पुरानी बीमारियों का निवारण, हार्मोनल संतुलन को बेहतर बनाना, वज़न और उम्र से संबंधित समस्याओं का प्रबंधन, जीवन शक्ति और लंबे समय तक स्वास्थ्य की बहाली। प्रत्येक क्लाइंट की पूरी स्वास्थ्य जांच की जाती है, जिसमें ब्लड प्रोफाइल, एलर्जी और इनटोलरेंस परीक्षण, जेनेटिक, लाइफस्टाइल और एनवायरनमेंट कारकों का विश्लेषण शामिल होता है। इसके आधार पर क्लिनिक एक कस्टमाइज प्लान तैयार करता है जिसमें न्यूट्रीशन, लाइफ-स्टाइल और लक्षित उपचारों (इलाज) को शामिल किया जाता है।

भारत की डिजिटल क्रांति से हर भारतीय की जिंदगी में आया बड़ा बदलाव

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को बीते एक दशक में भारत में हुई डिजिटल क्रांति के सफर के बारे में बताया, जिसमें जेएएम (जन धान-आधार-मोबाइल) ट्रिनिटी, यूपीआई, गवर्नमेंट-ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) और ई-एमएएम (नेशनल एग्रीकल्चर मार्केट) और अन्य के बारे में चर्चा की गई।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% पर केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह का आर्टिकल शेयर करते हुए कहा, डिजिटल इंडिया का दशक केवल टेक्नोलॉजी के बारे में नहीं, बल्कि बदलाव के बारे में भी है और यहां से कहानी की केवल शुरुआत हुई है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक में, भारत में एक ऐसी डिजिटल क्रांति आई है जो किसी असाधारण घटना से कम नहीं है। लक्षित तकनीकी हस्तक्षेपों की एक श्रृंखला के रूप में शुरू हुई यह क्रांति अब एक व्यापक परिवर्तन में बदल गई है, जिसने भारतीय जीवन के लगभग हर पहलू जैसे अर्थव्यवस्था, शासन, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, वाणिज्य, और यहां तक कि देश के सुदूर कोनों में रहने वाले किसानों और छोटे उद्यमियों के जीवन को भी प्रभावित किया है । केंद्रीय मंत्री ने आर्टिकल में लिखा, यह यात्रा आकस्मिक नहीं रही है। भारत सरकार ने साहसिक नीति-निर्माण, अंतर-मंत्रालयी सहयोग और समावेशी विकास के प्रति प्रतिबद्धता के संयोजन के माध्यम से इसे सावधानीपूर्वक संचालित किया है। आर्टिकल में बताया गया है कि जहां इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, वित्त मंत्रालय, कृषि मंत्रालय और अन्य जैसे संबंधित मंत्रालयों ने जमीनी स्तर पर बड़े पैमाने पर परियोजनाओं को क्रियान्वित किया है।

अमेजन नदी: तीन देश ही नहीं, शिक्षा को भी जोड़ती

पेरू के सांता रोजा द्वीप पर स्कूल के बाद विद्यार्थी नाव में सवार होकर घर लौटते हैं। अमेजन नदी का यह इलाका अद्भुत है, जहां पेरू, कोलंबिया और ब्राजील तीनों देशों की सीमाएं मिलती हैं। नाव में बैठा हर बच्चा अपने भविष्य की ओर बढ़ते सपनों का प्रतीक है- भले ही वे तीन अलग-अलग देशों की नागरिकता रखते हों। अमेजन यहां सिर्फ पानी की नहीं, संस्कृति, शिक्षा और साझा जीवन की धारा भी है।

सिंधिया का दावा: एक्सप्रेस-वे पर शताब्दी से तेज दौड़ सकेंगे वाहन

ग्वालियर, एजेंसी

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दावा किया है कि जल्द ही 4500 करोड़ की लागत से तैयार होने वाले ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे पर वाहन वंदेभारत और शताब्दी ट्रेन को टक्कर देते नजर आएंगे। आगरा से ग्वालियर का सफर महज 50 मिनट में पूरा होगा। दरअसल वे सोमवार को ग्वालियर को मिलने वाली सौगातों और विकास कार्यों की समीक्षा के बाद जानकारी दे रहे थे।

ज्योतिरादित्य सिंधिया पिछले कुछ दिनों से अपने संसदीय क्षेत्र के दौरे पर आए। ग्वालियर में उन्होंने विकास की योजनाओं को लेकर सर्वदलीय बैठक बुलाई थी। इसमें उन्होंने तमाम प्रोजेक्ट जो केंद्र और राज्य सरकार ने स्वीकृत किए हैं, उनकी जानकारी जनप्रतिनिधियों से साझा करते हुए बताया कि भविष्य में ग्वालियर की तस्वीर कैसी होगी। इस दौरान उन्होंने एलिवेटेड रोड, चंबल वाटर प्रोजेक्ट, आगरा—ग्वालियर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे निर्माण, महाराज बाड़े पर बन रही पार्किंग, महाराज बाड़े पर गवर्नमेंट प्रेस को रीडेवलपमेंट डेवलपमेंट को लेकर चर्चा की है।

अंबेडकर की 20 फीट की प्रतिमा लगेगी

उन्होंने बताया कि 26 करोड़ की लागत से बन रहे अंबेडकर स्मारक को लेकर क्या प्रगति है और आगे क्या काम होने हैं।

उन्होंने कहा यह अंबेडकर स्मारक केवल स्मारक न रहकर एजुकेशन के पर्पज से भी उपयोग हो इसके लिए किसी विश्वविद्यालय से जोड़ा जाएगा। वहीं स्मारक में बाहर की तरफ भीम राव अंबेडकर की 20 फीट उंची प्रतिमा लगाई जाएगी। सिंधिया ने ग्वालियर के कलेक्टर कार्यालय में प्रभारी मंत्री तुलसी सिलावट, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर और मंत्री नारायण सिंह कुशवाह की मौजूदगी में सर्व दलीय बैठक ली। इस दौरान कांग्रेस की महापौर शोभा सिकरवार राज्यसभा सांसद अशोक सिंह, कांग्रेस विधायक सुरेश राजे भी थे।

माना, ग्वालियर की सड़कें खराब हैं

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने ग्वालियर शहर की खराब सड़कों का रिव्यू किया और उन्हें जल्द दुरुस्त किए जाने के अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने खुद यह माना कि ग्वालियर शहर की सड़क बहुत खराब स्थिति में है। उन्होंने खुद अपने से मुंह से कहा कि ग्वालियर की सड़कें बदहाल हैं। उन्होंने सड़कों को तीन कैटेगिरी में बांटकर इनके निर्माण की बात कही।

विधायक खरीद मामला : भाजपा ने कहा- झूठ की पोल खुली

गहलोत राज में गिरफ्तार हुए दोनों आरोपी हुए बरी

जयपुर, एजेंसी

राजस्थान में कांग्रेस सरकार के समय विधायकों की खरीद फरोख्त का बड़ा विवाद सामने आया था। गहलोत राज के समय वर्ष 2020 में एसओजी में इस संबंध में केस भी दर्ज हुआ। एसओजी के तत्कालीन अधिकारियों ने भरत मालानी और अशोक सिंह नाम के दो कारोबारियों को इस केस में गिरफ्तार भी किया था लेकिन अब राजस्थान हाईकोर्ट ने इन दोनों लोगों को बरी कर दिया है। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने पूर्व मुख्यमंत्री पर आरोप लगाया है कि उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए एसओजी और एसीबी में झूठे प्रकरण दर्ज कराए थे। अब गहलोत के झूठ की पोल खुल गई है।

महेश जोशी ने दर्ज कराई थी शिकायत

पूर्ववर्ती सरकार के समय तत्कालीन मुख्य सचेतक महेश जोशी ने एसओजी में संदिग्ध मोबाइल नंबर देते हुए शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने कहा कि कुछ लोग सरकार को अस्थिर करना चाहते हैं। एसओजी के तत्कालीन अधिकारियों ने संदिग्ध मोबाइल नंबर को सर्विलांस पर लेकर रिकॉर्डिंग सुनी। बाद में केस दर्ज करते हुए ब्यावर निवासी भरत मालानी और उदयपुर निवासी अशोक सिंह को गिरफ्तार किया था। ये दोनों कारोबारी भाजपा से जुड़े हुए थे। बाद में यह केस एसीबी को ट्रांसफर कर दिया गया। इस मामले में तीन तत्कालीन विधायक ओमप्रकाश हुड़ला, सुखबीर सिंह जोजावर और सुरेश टांक के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की थी।

दोनों आरोपियों हाईकोर्ट ने को किया बरी

राजस्थान हाईकोर्ट ने इस मामले में भरत मालानी और अशोक सिंह को ससम्मान बरी कर दिया है। इस केस में एसीबी ने अपनी जांच में एफआर पेश की थी। इस एफआर के आधार पर हाईकोर्ट ने दोनों को बरी कर दिया। पूर्व में गिरफ्तार किए गए भरत मालानी और अशोक सिंह को करीब एक महीने तक जेल में रहना पड़ा था।

राजनीतिक षड़यंत्र का शिकार बनाया

मदन राठौड़ ने कहा कि ब्यावर निवासी भरत मालानी और उदयपुर निवासी अशोक सिंह को सहसम्मान बरी किए जाने का निर्णय इस बात का प्रमाण है कि कांग्रेस की अशोक गहलोत सरकार ने अपने कार्यकाल में विपक्ष से जुड़े निर्दोष व्यक्तियों को राजनीतिक षड्यंत्र का शिकार बनाया।

इंदौर ट्रक हादसे में बड़ा खुलासा: मेडिकल टेस्ट में 887 एमजी अल्कोहल

शराब के नशे में था इंदौर में तबाही मचाने वाला ट्रक ड्राइवर, 3 लोगों की हुई थी मौत

इंदौर, एजेंसी

इंदौर में हुए भीषण सड़क हादसे ने पूरे शहर को हिला कर रख दिया है। अब इस मामले में बड़ा खुलासा हुआ है. हादसे के जिम्मेदार ट्रक ड्राइवर के मेडिकल टेस्ट में सामने आया है कि उसके शरीर में 887 एमजी अल्कोहल पाई गई, जो कि तय सीमा से कई गुना ज्यादा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि ड्राइवर पूरी तरह से नशे में धुत था और इसी वजह से उसने लगातार डेढ़ किलोमीटर तक सड़क पर आतंक मचाया और वाहनों और लोगों को रौंदता चला गया। ट्रक में नीचे बाइक भी फसी रही, तब भी ट्रक दौड़ता रहा। इसमें ब्लास्ट होने के बाद आग भी लग गई थी। इसके बाद ट्रक की रफ्तार धीमी हुई।

औपचारिक रूप से अब तक तीन लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। पहले दो लोगों की मौके पर मौत हुई थी, जबकि गंभीर रूप से घायल महेश खतवासे ने रविवार सुबह अरविंदो अस्पताल में दम तोड़ दिया। वहीं लगभग 14 लोग घायल हैं, जिनमें से कई की हालत नाजुक बनी हुई है। हादसे के बाद गुस्साए लोग सड़कों पर उतर आए और इंदौर पुलिस पर जमकर नाराजगी जाहिर की। लोगों का आरोप है कि पुलिस की कमीशनखोरी और लापरवाही की वजह से ही नो-एंट्री वाले रास्ते पर रात 7 बजे भारी वाहन दौड़ रहा था, जबकि नियम के मुताबिक रात 11 बजे के बाद ही एंट्री दी जाती है। भीड़ में कुछ अराजक तत्वों ने ट्रक में आग लगाने और हिंसा भड़काने की कोशिश भी की। हालात काबू में करने के लिए एडिशनल पुलिस कमिश्नर अमित सिंह को मोर्चा संभालना पड़ा और पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर स्थिति को नियंत्रित किया।

नीचे बाइक फंसी तब भी चलाता रहा, ब्लास्ट के साथ लगी आग

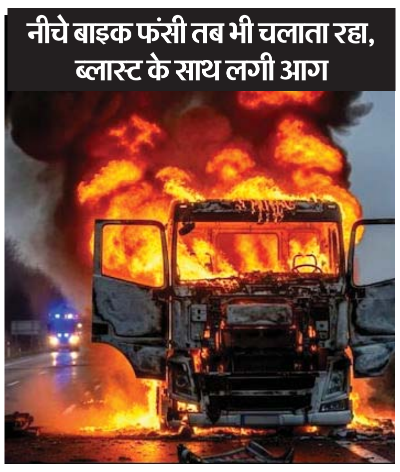

सरकार और प्रशासन की सख्ती

हादसे के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तत्काल जांच के आदेश दिए। मुख्यमंत्री दोपहर बाद इंदौर जाएंगे और पीड़ित परिवारजनों से मिलेंगे। इस मामले की जांच के लिए मुख्यमंत्री के दौरे के पहले ही गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव इंदौर पहुंचेंगे और स्थिति का जायजा लेंगे। घटना के बाद मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विधायक गोलू शुक्ला, विधायक उषा ठाकुर, संभागीय कमिश्नर सुदाम खाड़े, इंदौर पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह और एडिशनल पुलिस कमिश्नर अमित सिंह ने घायलों से अस्पताल में मुलाकात की।

बहादुर आरक्षक ने बचाई कई जानें

दुर्घटना के बाद पुलिस का एक साहसी और मानवीय चेहरा भी सामने लाया है। यातायात आरक्षक पंकज यादव वायरलेस तिराहे पर ड्यूटी पर तैनात थे। उन्होंने अपनी सूझबूझ और बहादुरी से सैकड़ों लोगों की जान बचाई। घटना के दौरान कालानी नगर की ओर से तेज़ रफ्तार से आ रहा ट्रक कई वाहनों को टक्कर मारते हुए बड़ा गणपति की ओर बढ़ रहा था। उसी समय आरक्षक यादव ने स्थिति की गंभीरता समझते हुए एक बाइक सवार की मदद से ट्रक का पीछा किया और उसे ओवरटेक कर चालक को धीमा करने का संकेत दिया। जब चालक ने रफ़्तार कम नहीं की, तो यादव ने अन्य बाइक सवारों को आगे के चौराहे पर लोगों को सचेत करने और ट्रैफिक हटाने की सूचना दी। जैसे ही ट्रक की गति बड़ा गणपति के पास थोड़ी धीमी हुई, यादव ने अदम्य साहस दिखाते हुए चलते ट्रक पर चढ़ने का प्रयास किया। राहगीरों की मदद से वह क्लीनर की ओर से ट्रक में पहुँचे और दूसरी ओर से दरवाज़ा खोलकर चालक को खींचकर नीचे उतारा। तभी ट्रक को नियंत्रित कर रोका गया और एक बड़ा हादसा टल गया।

कांग्रेस एक महीने में हस्ताक्षर अभियान से जोड़ेगी 20 करोड़ लोग

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने देशभर में आज से वोट चोरी को लेकर हस्ताक्षर अभियान का आगाज कर दिया। ये अभियान 15 सितंबर से 15 अक्टूबर तक चलेगा। इसके लिए पार्टी ने अपने सांसदों और बड़े नेताओं को विशेष निर्देश जारी किए हैं और 20 करोड़ हस्ताक्षर का लक्ष्य रखा है। कांग्रेस के मुताबिक, वोट चोरी से हमारा लोकतंत्र खतरे में है। पार्टी इसे वोट चोरी और लोगों की आवाज की चोरी बता रही है। राहुल गांधी की मुहिम को इस अभियान के जरिए पार्टी भारत के चुनाव आयोग से जवाबदेही की मांग कर रही है।

कुल मिलाकर बिहार के बाद देश भर में एसआईआर होने के ऐलान के साथ ही कांग्रेस भी इस मुद्दे को देशव्यापी बनाना चाहती है और लंबी सियासी लड़ाई के लिए तैयार है। वोट चोरी के खिलाफ कांग्रेस लगातार हमलावर रही है।

जमीन विवाद में बहू की हत्या, जेठ ने कुल्हाड़ी से हमला कर मार डाला

सीधी, दोहपर मेट्रो। मप्र के सीधी जिले के मझौली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बोदारी गांव में जमीन विवाद के चलते रिश्तों के कत्ल का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि, यहां एक जेठ ने अपनी बहू को सिर्फ इसलिए मार डाला क्योंकि छोटे भाई से जमीन विवाद चल रहा था। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने मामले की जांच करते हुए आरोपी जेठ की तलाश शुरु कर दी है। ये सनसनीखेज हत्याकांड दोपहर डेढ़ बजे के आसपास की है। 40 वर्षीय महिला बिट्टी यादव पति शिवकुमार यादव जंगल में बकरी चरा रही थीं। हत्या के इरादे से पहले ही झाड़ियों में आकर छिपे बैंठे 50 वर्षीय जेठ रामकुमार उर्फ ललुआ यादव पिता रामकरण याद ने मौका पाते ही अपने छोटे भाई की पत्नी पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया।

नशे और ड्रग्स के खिलाफ केंद्र सरकार का बड़ा एक्शन, एंटीनार्कोटिक्स फोर्स सम्मेलन में शामिल हुए गृह मंत्री

4,794 करोड़ की नशीली दवाएं नष्ट कर विशेष मुहिम शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी

ड्रग्स का सेवन न सिर्फ हमारी शारीरिक बल्कि मानसिक सेहत को भी काफी नुकसान पहुंचाता है। ये खासतौर पर युवाओं का भविष्य भी बर्बाद कर सकता है। इसी के खिलाफ अपनी लड़ाई की तरफ कदम बढ़ाते हुए केंद्र सरकार एक और बड़ा अभियान शुरू करने जा रही है। यह बात गृहमंत्री अमित शाह ने दो दिवसीय नई दिल्ली में राज्य स्तरीय एंटी नार्कोटिक्स टास्क फोर्स सम्मेलन शुभारंभ के पूर्व कही। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने इस सम्मेलन को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए लिखा, मोदी सरकार देश से ड्रग्स की बुराई को पूरी तरह खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। सभी राज्यों की एंटी-नार्कोटिक्स टास्क फोर्स को एकजुट कर एक नई रणनीति बनाई जा रही है। द्वितीय राष्ट्रीय सम्मेलन के अवसर पर 4,794 करोड़ रुपए की नशीली दवाओं को नष्ट कर एक विशेष मुहिम की शुरुआत होगी। यह सम्मेलन नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की ओर से आयोजित किया जा रहा है, जिसका मुख्य विषय संयुक्त संकल्प, साझा जिम्मेदारी है। कार्यक्रम का उद्देश्य देशभर की एंटी-ड्रग एजेंसियों को एक मंच पर लाकर नशे के खिलाफ समन्वित और ठोस रणनीति तैयार करना है।

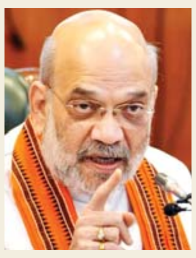

मेट्रो एंकर

चाचा और एक अन्य युवती ने किया खुलासा

छग भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष पर चाची से अवैध रिश्ते का आरोप

रायपुर, एजेंसी

छत्तीसगढ़ बीजेपी के युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिहा पर एक युवती ने गंभीर आरोप लगाया है। युवती ने कहा है कि राहुल से उसका अफेयर था। उसने उसे जबरन हग किया, स्मूच किया, उसके प्राइवेट पार्ट को टच किया और सेक्स करने की कोशिश की। तो वहीं दूसरी तरफ राहुल के चाचा ने अपनी पत्नी के साथ उसके अवैध संबंध बताए हैं।

रायपुर प्रेस क्लब में बेमेतरा निवासी 19 वर्षीय युवती ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर खुलासा किया कि राहुल टिकरिहा ने पहले स्कूल आकर उससे जान-पहचान बनाई, फिर प्यार के नाम पर बहला-फुसलाकर शारीरिक संबंध बनाए और बाद में शादी से मुकर गए। उसने बताया कि जब मैं 10वीं क्लास में पढ़ती थी तो राहुल टिकरिहा स्कूल में आए थे। हमने पढ़ाई में तेज लाउडस्पीकर से परेशानी को लेकर उनसे बातचीत की थी। जिसके बाद उन्होंने स्पीकर बंद करवा दिया था। उन्होंने इसी दौरान मेरा फोन नंबर भी लिया था।

रात को फोटो भेजने का बनाया दबाव

युवती ने बताया कि होली के दौरान रात को राहुल को फोटो भेजने की बात कही। मैंने फोटो भेजने से मना किया तो कहने लगा कि मेरे ऊपर विश्वास नहीं है क्या। फिर वह मिलने की बात करने लगा। रोज रात को मैसेज करके परेशान करता था। मैं रिप्लाई नहीं करती थी। युवती ने बताया कि जब उसके भाई की सगाई होने वाली थी तो 5 अप्रैल की रात को 12 बजे मैं उससे मिलने गई थी। वह मुझे खेत में ले गया और जबरन स्मूच किया, हग किया और मेरे प्राइवेट पार्ट को टच करने लगा। उसने मेरे साथ सेक्स करने की कोशिश की तो मैंने मना कर दिया। उसने मुझे ये कह कर छोड़ दिया कि मैसेज कॉल पर बात होती रहेगी। इसके बाद बातचीत होती रही। युवती ने बताया कि राहुल ने पहले उसे भरोसे में लेकर शादी का वादा किया, लेकिन बाद में मुकर गया। उससे अफेयर के कारण मेरा परिवार भी उससे दूरी बना चुका है। अब वह चाहती है कि राहुल टिकरिहा उससे शादी करे, ताकि उसकी इज्जत और जिंदगी सुरक्षित हो सके।

चाचा बोले-कई महिलाओं से जुड़ा

वहीं दूसरी ओर उसी प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल टिकरिहा के चाचा रविकांत टिकरिहा ने भी अपनी बेटी के साथ मीडिया के सामने आकर भतीजे पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि राहुल टिकरिहा का चरित्र संदिग्ध है, वह उनकी पत्नी के साथ अवैध संबंध रखता है और कई अन्य महिलाओं से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने सबूत के तौर पर ऑडियो-वीडियो मौजूद होने की बात कही।

छात्रों से रैगिंग: यौन उत्पीड़न पर 300 आपत्तियां देख सुप्रीम कोर्ट सख्त

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) को निर्देश दिया कि वह मसौदा नियम तैयार करते समय उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों की आत्महत्या को रोकने के लिए रैगिंग, यौन उत्पीड़न और जाति, लिंग, दिव्यांगता तथा अन्य पूर्वाग्रहों के आधार पर भेदभाव से निपटने के सुझावों पर विचार करे। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से दो महीने के भीतर सुझावों पर विचार करने को कहा है।

पीठ ने रोहित वेमुला और पायल तड़वी की माताओं के सुझावों पर भी विचार करने को कहा है, जिन्होंने अपने-अपने परिसरों में जाति आधारित भेदभाव का सामना करने के बाद कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी। केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि मसौदा नियम प्रकाशित किए गए थे और एक विशेषज्ञ समिति ने प्राप्त 300 से अधिक आपत्तियों की पड़ताल की थी। उन्होंने कहा, विशेषज्ञ समिति ने आपत्तियों की पड़ताल के बाद यूजीसी से मसौदा नियमों में कुछ संशोधन करने को कहा है। यूजीसी वर्तमान में विशेषज्ञ समिति की उन सिफारिशों की जांच कर रही है। संबंधित माताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने कहा कि वे चाहती हैं कि यूजीसी उनके सुझावों पर विचार करे, ताकि किसी और की जान न जाए। शीर्ष अदालत ने यूजीसी को आठ सप्ताह के भीतर सुझावों पर विचार करने का निर्देश दिया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022